CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 104 ता. 16 अक्टूबर 2021, शनिवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बांग्लादेश में कुचली जा रही हिंदुओं की धार्मिक स्वतंत्रता, भाजपा नेता अमित मालवीय ने लगाया आरोप

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं की धार्मिक आजादी को कुचले जाने का आरोप लगाते हुए भाजपा नेता अमित मालवीय ने शुक्रवार को कहा कि यह घटनाक्रम नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के महत्व को रेखांकित करता है। भाजपा के बंगाल के सह-प्रभारी मालवीय ने ट्वीट कर कहा, जिस छूट के साथ बांग्लादेश में हिंदुओं की धार्मिक आजादी को कुचला जा रहा है, वह सीएए के महत्व को दोहराता है जो एक मानवीय कानून है। सीएए पर ममता बनर्जी के विरोध और सोची-समझी चुप्पी से अब बंगाल के हिंदुओं को चिंता होनी चाहिए जो तृणमूल कांग्रेस के शासन में हाशिये पर महसूस कर रहे हैं। मालूम हो कि सीएए अभी प्रभाव में नहीं आया है। इसमें बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत कुछ पड़ोसी देशों के गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों को उनके धार्मिक उत्पीड़न के आधार पर भारत में नागरिकता देने का प्रविधान है।बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी मामले को उठाया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया कि बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ इस पीड़ादायी और शर्मसार करने वाले मुद्दे को कूटनीतिक तरीके से उठाया जाना चाहिए। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि दुर्गा पूजा पंडालों और मंदिरों में तोड़फोड़ दुखदायी है। मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अपवित्र करना सनातनी बंगाली समुदाय पर सोचा-समझा हमला है।

विहिप ने भी की निंदा, कार्रवाई की मांग-विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने भी बांग्लादेश की घटनाओं की निंदा की और इन घटनाओं के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई व हिंदुओं की सुरक्षा की मांग की। विहिप के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने बांग्लादेश सरकार से अपील की कि वह अपने अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए कट्टरपंथियों पर अंकुश लगाए।

विजयदशमी के मौके पर आरएसएस ने किया 'शस्त्र पूजन', मोहन भागवत भी रहे मौजूद

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने वार्षिक विजयादशमी संबोधन से पहले शुक्रवार को यहां अपने मुख्यालय में 'शस्त्र पूजन' किया। भागवत ने डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और माधव सदाशिव गोलवलकर को भी पुष्पांजलि अर्पित की। आरएसएस ने ट्वीट किया, सरसंघचालक, डॉ मोहन जी भागवत ने डॉ हेडगेवार और गुरुजी गोलवलकर की समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। आरएसएस प्रमुख के विजयादशमी के संबोधन को संगठन के लिए सबसे महत्वपूर्ण अवसर माना जाता है। उनके संबोधन के दौरान भविष्य की योजनाओं और दृष्टि को सभी के पालन हेतु सामने रखा जाता है। वहीं, राष्ट्रीय महत्व के कई मुद्दों पर आरएसएस के रुख को भी जाना जाता है।

हालांकि, चल रही कोविड-19 महामारी के बीच, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने

वार्षिक विजया दशमी संबोधन के लिए किसी भी मुख्य अतिथि को आमंत्रित करने से परहेज किया है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब आरएसएस ने यहां अपने सरसंघचालक द्वारा वार्षिक विजयादशमी संबोधन के लिए किसी अतिथि को आमंत्रित नहीं किया। पिछले वर्षों में, विजया दशमी कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, एचसीएल प्रमुख शिव नादर और बाल अधिकार कार्यकर्ता और नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी सहित कई प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति देखी गई है। बता दें कि दशहरा या विजया दशमी, हिंदू कैलेंडर के अनुसार अश्विन के महीने में नवरात्रि उत्सव के 9 दिनों के बाद 10 वें दिन मनाया जाता है।

हारेगा कोरोना! जम्मू-कश्मीर में हर वयस्क नागरिक को लगा कोरोना का पहला टीका

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर ने 18 साल या उससे अधिक आयु वर्ग के सभी लोगों को टीकों की एक खुराक दिए जाने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। प्रदेश के सभी 20 जिलों में 18 साल से अधिक आयु के लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज दी जा चुकी है। ऊंचे पहाड़ों, मैदानों और घाटियों में इस लक्ष्य को हासिल करने में बीते कुछ महीनों में हेल्थ डिपार्टमेंट ने कड़ी मेहनत की है। एक तरफ प्रदेश में हर वयस्क को पहली डोज लग गई है तो वहीं दूसरा टीका राज्य के 45 फीसदी लोगों को लग चुका है। प्रदेश की अथॉरिटीज का कहना है कि अगले तीन महीनों में राज्य के हर वयस्क को कोरोना वैक्सीन के दोनों टीके लगा दिए जाएंगे। इस बीच केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में शुक्रवार को संक्रमण के 93 नए मामले सामने आए।

● ऊंचे पहाड़ों, मैदानों और घाटियों में इस लक्ष्य को हासिल करने में बीते कुछ महीनों में हेल्थ डिपार्टमेंट ने कड़ी मेहनत की है। एक तरफ प्रदेश में हर वयस्क को पहली डोज लग गई है तो वहीं दूसरा टीका राज्य के 45 फीसदी लोगों को लग चुका है।

इससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 330834 हो गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटे में केंद्रशासित प्रदेश में कोरोना रोधी टीकों की 82229 खुराक दी गई। इसके बाद राज्य में अब तक दी गई खुराकों की कुल सख्या 1,34,94,675, हो गई है। कश्मीर देश का पहला ऐसा क्षेत्र था, जहां दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में डोर टू डोर वैक्सीनेशन हुआ है। इसके चलते यह टारगेट हासिल करने में मदद मिली है।

मिशन 2024-क्षेत्रीय दलों की काट को भाजपा ने बनाई बड़ी रणनीति, ऐसे शुरू कर दिया काम

नई दिल्ली। भाजपा नेतृत्व पार्टी के राष्ट्रव्यापी विस्तार के बाद उसकी पहुंच को व्यापक बनाने और मजबूती देने में जुटा हुआ है। इसके लिए रणनीति के तहत सरकार और संगठन में बड़े शहरों के बजाय ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े नेताओं को आगे लाया जा रहा है। हाल में हुए केंद्रीय मंत्रिपरिषद के विस्तार, राज्यों के परिवर्तन और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन में इस दिशा में काफी काम भी किया गया है। दरअसल भाजपा नेतृत्व 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति को लेकर काम कर रहा है, जिसमें उसे राष्ट्रीय दलों की वजह क्षेत्रीय दलों से ज्यादा चुनौती मिलने की संभावना है।

ऐसे में उसकी नई रणनीति काफी कारगर हो सकती है। पार्टी के एक प्रमुख नेता ने कहा है कि भाजपा इस समय देश की सबसे बड़ी पार्टी है। हर राज्य में उसकी पहुंच है और इसे मजबूती देने के लिए कस्बों से गांव तक पहुंची है। अब वहां के नेतृत्व को भी आगे लाया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों के बड़े नाम और कद वाले नेताओं के बजाय पार्टी ग्रामीण

क्षेत्रों के नेताओं को सत्ता और संगठन दोनों में महत्व दे रही है।

सामाजिक समीकरणों को साधने की कोशिश

बिहार में जेडीयू के साथ गठबंधन सरकार में पार्टी ने इसी के तहत अपने जो दो उपमुख्यमंत्री बनाए और प्रदेश संगठन के नेतृत्व को इसी गणित के तहत उभारा है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश समेत कई प्रमुख राज्यों में पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों और उस परिवेश से आने वाले नेताओं पर विशेष ध्यान दे रही है। इसमें सामाजिक समीकरण को भी पूरी तरह साधा जा रहा है।

भाजपा के सामने राष्ट्रीय स्तर पर कोई बड़ी चुनौती नहीं

पार्टी के एक महासचिव ने कहा है कि हमारा आधार तो व्यापक हो गया है, लेकिन उसकी जड़े मजबूत करने के लिए उन क्षेत्रों के नेतृत्व को भी हमें मजबूत करना है। दरअसल भाजपा के सामने राष्ट्रीय स्तर पर तो कोई बड़ी चुनौती नहीं है, लेकिन विभिन्न राज्यों में उसे मजबूत क्षेत्रीय दलों से जूझना पड़ रहा है। ऐसे में राज्यों में नेतृत्व व क्षेत्र को लेकर वह काफी सजग है।

सिविल सेवा परीक्षा में लगातार पिछड़ रहे हिंदी माध्यम के छात्र, कठिन शब्दों से होती है दिक्कत

नई दिल्ली। देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा, सवालों का विस्तृत दायरा और नियत समय में बेहतरीन जवाब देने की चुनौती। इनके बीच अगर आप सवालों का ही अर्थ न निकाल सकें तो सालों की आपकी अनवरत पढ़ाई और आईएएस बनने का ख्वाब तार-तार होने की आशंका बढ़ जाती है। हिंदी माध्यम से सिविल सेवा परीक्षा देने वाले प्रतिभागियों के साथ यही हो रहा है। मातृभाषा में पढ़ाई करके इसी भाषा में आईएएस बनने की ललक ही सेवा में दाखिल होने के उनके सपने को दुर्लभ बना देती है। यूपीएससी सिविल सेवा में हिंदी माध्यम के प्रतिभागियों की सफलता दर से जुड़े आंकड़े इस तरफ इशारा कर रहे हैं। 24 सितंबर को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा-2020 के घोषित परिणाम में 761 प्रतिभागियों को चयनित किया गया। इसमें हिंदी माध्यम वालों की संख्या महज 25-30 के बीच थी। वहीं, हिंदी माध्यम के टॉपर को 200 से भी नीचे की रैंक मिली। कई साल की तुलना में यह काफी खराब है।

दर्द हिंदी के प्रतिभागी का-हिंदी माध्यम से तैयारी करने वाली छात्रा रूबी नियाजुल का कहना है कि प्रश्न समझ पाना ही मुश्किल होता है। प्रारंभिक परीक्षा के साधारण ज्ञान व सीसैट वाले पेपर में कई प्रश्न सिलेबस से बाहर के होते हैं। हिंदी भाषा ऐसी होती है कि बिना अंग्रेजी में प्रश्न पढ़े समझ में ही नहीं आता।

यूपीएससी में नहीं रहता समान स्तर का मुकाबला-अमूमन सरकारी स्कूलों और कॉलेज की पढ़ाई हिंदी में होती है। जबकि सिविल सेवा में आईआईटी व एमबीए के टॉप संस्थानों के छात्र भी आते हैं। जाहिर तौर पर मुकाबला असमान स्तर पर होता है। इसका असर परिणाम में दिखता है। कोचिंग संस्थान सालों पुराने मैटेरियल का इस्तेमाल करते हैं। 1200-1200 तक का इनका एक बैच होता है। ऐसे में छात्रों की पढ़ाई गुणवत्तापूर्ण नहीं हो पाती। कोचिंग में बताया जाता है कि किताब की जगह संस्थान के नोट्स पढ़ो। इससे जानकारी का स्तर एक दायरे में सिमट जाता है।

वैश्विक भुखमरी सूचकांक में 101वें नंबर पर फिसला भारत, बांग्लादेश और पाक भी हैं आगे

नई दिल्ली। वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021 ने भारत को 116 देशों में से 101वां स्थान दिया है। 2020 में भारत 107 देशों में 94वें स्थान पर था। 2021 की रैंकिंग के अनुसार, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल ने भारत से बेहतर प्रदर्शन किया है। सहायता कार्यों से जुड़ी आयरलैंड की एजेंसी कंसर्न वर्ल्डवाइड और जर्मनी का संगठन वेल्ट हंगर हिल्फ की ओर से संयुक्त रूप से तैयार की गई रिपोर्ट में भारत में भूख के स्तर को चिंताजनक बताया गया है। भारत का जीएचआई स्कोर भी गिर गया है। यह साल 2000 में 38.8 था, जो 2012 और 2021 के बीच 28.8-27.5 के बीच रहा। जीएचआई स्कोर की गणना चार पैरामीटर पर की जाती है, जिनमें

अल्पपोषण, कुपोषण, बच्चों की वृद्धि दर और बाल मृत्यु दर शामिल हैं। साल 2020 में भारत 107 देशों में 94वें स्थान पर था। अब 116 देशों में यह 101वें स्थान पर आ गया है।

पाकिस्तान समेत इन देशों का भारत से बेहतर प्रदर्शन-रिपोर्ट के अनुसार, पड़ोसी देश जैसे नेपाल (76), बांग्लादेश (76), म्यांमार (71) और पाकिस्तान (92) भी भुखमरी को लेकर चिंताजनक स्थिति में हैं, लेकिन भारत की तुलना में ये सभी अपने नागरिकों को भोजन उपलब्ध कराने को लेकर बेहतर प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कोविड-19 और महामारी संबंधी प्रतिबंधों की वजह से लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जहां दुनिया भर में बच्चों की वेस्टिंग की दर सबसे ज्यादा है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में चाइल्ड वेस्टिंग की दर 1998 और 2002 के बीच 17.1 प्रतिशत से बढ़कर 2016 और 2020 के बीच 17.3 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने अन्य पैरामीटरों में सुधार दिखाया है जैसे कि बाल मृत्यु दर, बाल स्टंटिंग की व्यापकता और अपर्याप्त भोजन के कारण अल्पपोषण की व्यापकता।

चीन समेत ये पांच देश टॉप पोजीशन पर-रिपोर्ट में चीन, ब्राजील और कुवैत सहित अठारह देशों ने पांच से कम के जीएचआई स्कोर के साथ टॉप स्थान साझा किया है। जीएचआई की रिपोर्ट के मुताबिक, पूरी दुनिया के लिए भूख के खिलाफ लड़ाई खतरनाक तरीके से पटरी से उतर रही है। वर्तमान अनुमानों के आधार पर, दुनिया और विशेष रूप से 47 देश 2030 तक निम्न स्तर की भूख को प्राप्त करने में असमर्थ होंगे।

त्योहारों में कोरोना पकड़ सकता है रफ्तार

भारत 100 करोड़ टीके के लक्ष्य से बस तीन कदम दूर

नई दिल्ली। कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम अब अपने शतक यानी 100 करोड़ के लक्ष्य से महज तीन कदम (तीन करोड़) दूर है। स्वास्थ्यमंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, टीकाकरण अभियान के 100 करोड़ डोज का आंकड़ा पूरा होने पर रेलवे स्टेशनों, विमानों, मेट्रो और जहाजों पर इसकी घोषणा होगी। देश में कुल टीकाकरण का आंकड़ा 97 करोड़ पार हो चुका है। वहीं दूसरी ओर, देश में त्योहारों के मौसम बीच एक बार फिर कोरोना वायरस रफ्तार पकड़ता दिख रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले दो दिन से नए संक्रमित मरीजों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। बीते 24 घंटे में 18,987 मामले सामने आए हैं जबकि 246 मरीजों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में बीते 24 घंटे में 19808 मरीजों को स्वस्थ घोषित भी किया गया। देश में कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 3,40,020,73 हो गई है। अब तक कुल 3,33,62,709 रोगी स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं अब तक कुल 4,51,435 मरीजों की मौत हो चुकी है। कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है।

सक्रिय मरीजों की संख्या सिर्फ 2,06,586 रह गई है जो अब तक मिले कुल मामलों का सिर्फ 0.61 फीसदी है।

स्वस्थ होने वालों की दर बढ़ी

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में कोरोना को मात देने वाले मरीजों की दर बढ़कर 98.07 फीसदी हो गई है। बीते 24 घंटे में कुल 13.01 लाख सैंपल की जांच हुई। इसमें से 1.46 फीसदी सैंपल में वायरस की पुष्टि हुई है। दैनिक संक्रमण दर 1.19 फीसदी हो गई है जिसमें बढ़ोतरी देखी गई है। साप्ताहिक संक्रमण दर की बात करें तो यह 1.44 फीसदी है।

आंध्र प्रदेश में कर्फ्यू बढ़ा-स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार मंगलवार और बुधवार को संक्रमण के मामले कम हुए थे, लेकिन अब संक्रमण बढ़ रहा है। पिछले एक दिन में मुंबई में कोरोना वायरस के 481 नए मामले सामने आए हैं। तीन मरीजों की मौत हुई है। बीते 24 घंटे में 461 मरीजों को स्वस्थ घोषित किया गया है। आंध्र प्रदेश में 30 अक्तूबर तक कर्फ्यू बढ़ाया गया है।

बच्चों से पहले वयस्कों का टीकाकरण पूरा करने का लक्ष्य-कोरोना वायरस से बचाव के लिए अब बच्चों के लिए भी वैक्सीन आना शुरू हो चुकी हैं लेकिन सरकार अभी वयस्कों के टीकाकरण को ही प्राथमिकता पर रखना चाहती है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि देश में 97 करोड़ से अधिक कुल टीकाकरण हो चुका है। करीब 30 करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें टीके की एक भी खुराक नहीं लग पाई है। ऐसे में अगर बच्चों का टीकाकरण भी शुरू हुआ तो कहीं न कहीं भटकाव जैसी स्थिति देखने को मिल सकती है। इसलिए कम से कम 90 से 95 फीसदी एक खुराक का टीकाकरण होने तक इंतजार किया जा सकता है। टीकाकरण समिति के सूत्रों का कहना है कि वयस्कों का टीकाकरण सबसे पहले पूरा करने का इंतजार है। इसलिए बच्चों के टीकाकरण से जुड़ीं तैयारियों को जारी रखा गया है लेकिन प्रक्रिया में और तेजी लाने को प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं।

सार समाचार

यूपी के मऊ में 27अक्टूबर को महापंचायत, राजभर बोले- चुनाव के लिए होगा गठबंधन का ऐलान

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के हलदरपुर में 27 अक्टूबर को महापंचायत बुलाई गई है, जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव के लिये गठबंधन संबंधी घोषणा की जायेगी। राजभर ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि 27 अक्टूबर को मऊ जिले के हलदरपुर में महापंचायत होगी, जिसमें गठबंधन की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से अपने अधिकारों से वंचित लोगों के लिए भागीदारी संकल्प मोर्चा का गठन किया गया है। गौरतलब है कि कई दलों को मिला कर यह मोर्चा बनाया गया है जिसका नेतृत्व सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी करती है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने हाल में घोषणा की थी कि उनकी पार्टी राजभर के नेतृत्व वाले एसबीएसपी और उसके भागीदारी संकल्प मोर्चा के साथ गठजोड़ करके अगले साल राज्य विधानसभा चुनाव में 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे राजभर ने 2019 में लोकसभा चुनाव से पहले इस्तीफा दे दिया था।

कुंडली हत्या मामले में बोले पवन खेड़ा, कानून अपना काम करे

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोनीपत के कुंडली में किसानों के प्रदर्शन स्थल के निकट एक शव बरामद किए जाने की घटना को लेकर शुक्रवार को कहा कि इस मामले की जांच होनी चाहिए और कानून को अपना काम करना चाहिए। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''सोशल मीडिया और मीडिया के जरिए हमने ये रिपोर्ट देखी है। कांग्रेस का सदैव यह मानना रहा है कि इस देश में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता।'' उन्होंने कहा, ''सरकार से हमारा यह कहना है कि इस मामले की पूरी तहकीकात की जाए और कानून को अपना काम करना चाहिए।'' हरियाणा में सोनीपत जिले के कुंडली में किसानों के प्रदर्शन स्थल के पास शुक्रवार को एक व्यक्ति का शव धातु के एक अवरोधक से बंधा हुआ मिला। शव का एक हाथ कटा हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक वीडियो क्लिप में कुछ निहंगों को जमीन पर खून से लथपथ पड़े एक व्यक्ति के पास खड़े हुए देखा गया है और उसका बायां हाथ कटा हुआ पड़ा है। निहंगों को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि मृत व्यक्ति को सिखों की पवित्र पुस्तक गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के लिए सजा दी गयी है।

इस बार भी अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे नवीन पटनायक

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य में कोविड-19 की मौजूदा स्थिति को देखते हुए अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। यह लगातार चौथा साल है, जब बीजू जनता दल (बीजद) सुप्रीमो ने अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया है। वह शनिवार को 75 वर्ष के हो जाएंगे। पिछले साल भी कोविड-19 वैश्विक महामारी की वजह से उन्होंने किसी कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी थी। पटनायक ने 2019 में चक्रवात फणी के कारण और 2018 में चक्रवात तितली के कारण अपना जन्म दिन नहीं मनाने का फैसला किया था। दोनों तूफानों ने ओडिशा को बहुत नुकसान पहुंचाया था। मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ बीजद के सदस्यों और उनके शुभचिंतकों से शनिवार को उनके आवास नवीन निवास नहीं आने का आग्रह किया और उनसे दिन में रक्तदान शिविर आयोजित करने की अपील की।

देश में कोरोना वैक्सीनेशन 100 करोड़ के पार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा- वैक्सीन की उपलब्धता बढ़ने से आई तेजी

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अब तक कोविड-19 टीकों की 100 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। उसने कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास अब भी 10.53 करोड़ से अधिक (10,53,11,155) खुराक उपलब्ध हैं जिनका उपयोग किया जाना है। मंत्रालय ने कहा कि टीकों की उपलब्धता बढ़ने से टीकाकरण अभियान में तेजी आई है। राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों को टीकों की उपलब्धता का पहले से पता चलने से वे बेहतर योजना बना सकते हैं तथा टीकों की आपूर्ति श्रंखला भी व्यवस्थित रहती है। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के तहत, राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को मुफ्त में टीके उपलब्ध कराकर केन्द्र उनका समर्थन कर रहा है।

कानपुर के पास ट्रेन हादसा, मालगाड़ी के 24 डिब्बे पलटे, दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर यातायात प्रभावित

लखनऊ। कानपुर रेलवे स्टेशन से करीब पचास किलोमीटर दूर अंबियापुर के पास दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर शुक्रवार सुबह खाली मालगाड़ी के 24 डिब्बे पलट गए। घटना में जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं हैं लेकिन ट्रेनों का आवागमन बाधित हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेल यातायात बहाल करने के प्रयास जारी हैं। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवम शर्मा ने को बताया कि शुक्रवार सुबह करीब सवा चार बजे कानपुर रेलवे स्टेशन से पचास किलोमीटर दूर अंबियापुर और रूरा के बीच गाजियाबाद से मुगलसराय जा रही खाली मालगाड़ी के 24 डिब्बे पलट गये। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है लेकिन इससे दिल्ली-हावड़ा की अप और डाउन लाइन पर ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया। रेलवे सूत्रों के मुताबिक मालगाड़ी के डिब्बे पलटने के बाद वे बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये और कुछ दूर तक पटरियां भी उखड़ गयी हैं। शर्मा ने बताया कि इस हादसे के कारण टुंडला-कानपुर मार्ग पर लोकल ट्रेनों और लंबी दूरी की कुछ ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया गया।

सेना प्रमुख जनरल नरवणे भारत और श्रीलंका के बीच सैन्य अभ्यास के समापन कार्यक्रम में हुए शामिल

कोलंबो।(एजेंसी)।

थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने भारत और श्रीलंका के बीच शुक्रवार को सैन्य अभ्यास का समापन कार्यक्रम देखा और उच्च मानक के प्रशिक्षण एवं पेशेवर रवैये के लिए दोनों दस्तों के सैनिकों की सराहना की। भारत और श्रीलंका ने पिछले हफ्ते द्वीप देश के पूर्वी जिले अम्पारा में 'कॉम्बैट ट्रेनिंग स्कूल' में आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के मकसद से 12 दिवसीय व्यापक सैन्य अभ्यास शुरू किया था। सेना प्रमुख जनरल नरवणे उनके श्रीलंकाई समकक्ष जनरल शावेंद्र सिल्वा के आमंत्रण पर चार दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंचे थे।

भारतीय थल सेना ने एक ट्वीट में कहा, 'जनरल एम एम नरवणे ने श्रीलंका में विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल में द्विपक्षीय अभ्यास मित्र शक्ति 21 का समापन कार्यक्रम देखा।' इसने कहा, 'चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने उच्च प्रशिक्षण मानक और पेशेवर रवैये के लिए दोनों पक्षों के सैनिकों की प्रशंसा की।' मित्र शक्ति अभ्यास का आठवां संस्करण कर्नल प्रकाश कुमार के नेतृत्व में 120 भारतीय सेना के जवानों के सभी शसस्त्र टुकड़ियों की भागीदारी के साथ चार अक्टूबर से शुरू होकर 15 अक्टूबर तक चला।

श्रीलंका की सेना ने कहा कि संयुक्त सैन्य अभ्यास को अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, अंतर-संचालन कौशल, संयुक्त सामरिक संचालन, एक-दूसरे की सर्वोत्तम कार्यशैलियों और अनुभवों को साझा करने की समझ बढ़ाने के लिए तैयार किया गया। बृहस्पतिवार को, जनरल नरवणे ने श्रीलंकाई सेना की क्षमता निर्माण बढ़ाने और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और बल देने के लिए भारत द्वारा उपहार में दी गई दो सिम्युलेटर सुविधाओं का उद्घाटन किया।

केजरीवाल 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले उद्योगपतियों को मूर्ख बना रहे हैं : चन्नी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की आलोचना करते हुए कहा कि वह राज्य में 2022 के विधानसभा चुनावों से पहले लंबे-चौड़े वादे कर उद्योगपतियों को मूर्ख बना रहे हैं। चन्नी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को एक अवसरवादी करार देते हुए कहा कि इस तरह का राजनीति से प्रेरित कदम आप संयोजक को पंजाब चुनाव में फायदा नहीं पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि बाहरी होने के नाते केजरीवाल का राज्य के विकास और कल्याण से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है और उनकी नजर एक या दूसरे तबके के सिर्फ वोट बैंक पर है। चन्नी ने यहां जारी एक बयान में 2022 के पंजाब चुनाव से पहले केजरीवाल द्वारा उद्योगपतियों को किये जा रहे झूठे वादेको लेकर उनपर प्रहार किया। संसदीय कार्य मंत्री ब्रह्म मोहिंद्रा ने भी केजरीवाल पर निशाना साधा और कहा कि राज्य ने लालफीताशाही कम करने के लिए एक कानून लागू किया जा चुका है। मंत्री ने कहा, ''मैं आपको (केजरीवाल को) पंजाब लालफीताशाही रोधी अधिनियम,2021 की एक प्रतिभेज रहा हूं।'' चन्नी ने कहा कि राज्य में कोई ' हफ्ता सिस्टम/गुंडा टैक्स' नहीं है, जैसा कि केजरीवाल ने दावा किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की भूमिका को सराहा

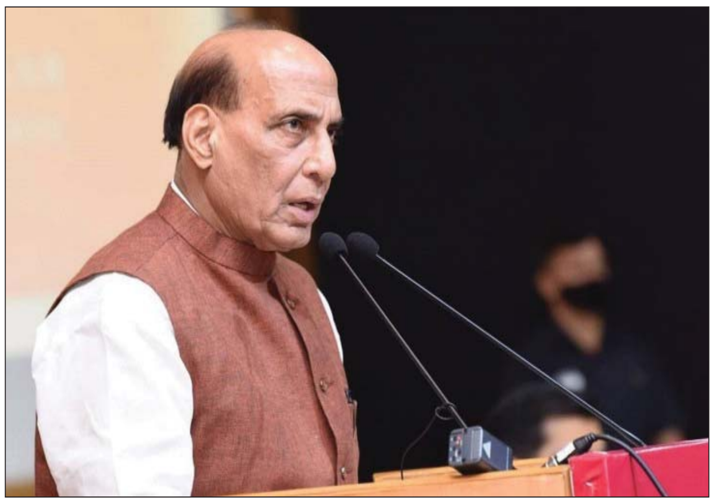

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका की सराहना की. उन्होंने पूर्व पीएम के नेतृत्व क्षमता की तारीफ की. सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका पर शंघाई सहयोग संगठन (स्ष्टह्र) की संगोष्ठी को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने रानी लक्ष्मीबाई और पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल का भी नाम लिया. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विकास में महिला शक्ति की भूमिका को लेकर भारत का अनुभव हमेशा से सकारात्मक रहा है. रक्षामंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका पर बातचीत करना ठीक है, लेकिन सुरक्षा और राष्ट्र-निर्माण के सभी क्षेत्रों में उनके व्यापक योगदान को पहचाना जरूरी है. उन्होंने कहा, 'देश की रक्षा और लोगों के अधिकारों के लिए इति?हास में महिलाओं के हथियार उठाने के कई उदाहरण हैं. रानी लक्ष्मीबाई उनमें से सबसे आगे हैं। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने न केवल वर्षों तक देश का नेतृत्व किया, बल्कि युद्ध के समय भी बेहतर तरीके कमान संभाली.'

महिलाओं की भागीदारी के लिए जल्द पहल की

सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी के पीएम रहते भारत ने पाक के खिलाफ 1971 की जंग जीती थी और एक नया देश, बांग्लादेश बना था. उन्होंने कहा कि पालक और रक्षक के तौर पर सदियों से महिलाओं की भूमिका अहम रही है. उन्होंने कहा, 'सरस्वती ज्ञान, बुद्धि और शिक्षा की देवी हैं, तो मां दुर्गा रक्षा, शक्ति, विनाश और युद्ध की देवी हैं.' भारत उन कुछ देशों ?का हिस्सा है,? जिन्होंने सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी के लिए जल्द पहल की और महिलाओं की भर्ती स्थायी कमीशन के रूप में सेना में होने लगी है.

महिला अफसरों की भर्ती 1992 में शुरू

राजनाथ सिंह ने कहा, 'महिलाएं सौ वर्ष से अधिक समय से भारतीय सैन्य नर्सिंग सेवा में गौरव के साथ सेवाएं दे रहीं हैं. भारतीय सेना में महिला अफसरों की भर्ती 1992 में शुरू हो गई थी. अब सेना की अधिकतर शाखाओं में महिला अधिकारियों की भर्ती होने लगी है।' उन्होंने कहा कि अगले वर्ष से महिलाएं राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगी.

सरदार पटेल की विरासत को आगे बढ़ा रहा गुजरात, पीएम मोदी बोले- राष्ट्र प्रथम हमारा जीवन मंत्र है

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज द्वारा बनाए गए होस्टेल फेज -1 (कुमार छात्रावास) के भूमिपूजन का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज द्वारा आज विजयादशमी को एक पुण्य कार्य का शुभारंभ हो रहा है। मैं आप सभी को और पूरे देश को विजयादशमी की हार्दिक बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि गुजरात के लोग उन मूल्यों को मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में आज की गई एक पहल भी इसी कड़ी का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि साल 2024 तक दोनों फेज का काम पूरा कर लिया जाएगा। कितने ही युवाओं को बेटे-बेटियों को आपके इस प्रयासों से एक नई दिशा मिलेगी। उन्हें अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिलेगा। मैं इस प्रयासों के लिए सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मुझे इस बात से भी बहुत संतोष है कि सेवा के इन कार्यों में समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने का प्रयास है। साथियों जब मैं अलग-अलग क्षेत्रों में सेवा के इन कार्यों को देखता हूं तो मुझे गर्व होता है कि गुजरात किस तरह से सरदार पटेल की विरासत को आगे बढ़ा रहा है।

सरदार साहब के जीवन मंत्र को दी मजबूती

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार साहब ने कहा था जाति और पंथ को हमें रुकावट नहीं बनने देना है। हम सभी भारत के बेटे-बेटियां हैं। हम सभी को अपने देश से प्रेम करना चाहिए। परस्पर स्नेह और सहयोग से अपना भाग्य बनाना चाहिए। हम खुद इसके साक्षी हैं कि सरदार साहब की इन भावनाओं को गुजरात ने किस तरह हमेशा मजबूती दी है। राष्ट्र प्रथम यह सरदार साहब की संतानों का जीवन मंत्र है। आप देश-दुनिया में कहीं भी चले जाईये गुजरात के लोगों में यह जीवन मंत्र आपको हर जगह दिखेगा।

कोविड के समय हमारी सरकार ने निभाया राज धर्म, संगठन ने निभाया मानवता धर्म : खन्ना

शिमला ।(एजेंसी)।

भाजपा प्रदेश प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने शिमला में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा विजयदशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई पर जीत का होता है, और 30 अक्टूबर को जनता अच्छाई को जिताएगी भाजपा को लाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने कोविड के समय हमारी सरकार ने निभाया राज धर्म, संगठन ने निभाया मानवता धर्म । हमारी सरकार ने प्रदेश में तेज़ी से टिकाकरण अभियान चलाया और पूरे देश मे नम्बर वन आए और आज किन्नौर ज़िला देश का पहला ऐसा ज़िला बना है जहाँ टिकाकरण की दूसरी डोज़ भी लग गई है। संगठन ने भी जनसेवा का बड़ा उद्धारण पेश किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को फौजियों का फोबिया हो गया है इसका बढ़ा बयान प्रतिभा सिंह की ओर से आया था जब उन्होंने कारगिल युद्ध पर टिपणी की, मैं कारगिल में प्रभारी रहा हूं कप्तान बत्रा की याद आज भी वहाँ और हिमाचल में ताज़ा

है, एक पहाड़ी पर आज बजी लिखा है ये दिल मांगे मोर। कारगिल युद्ध मे हिमाचल के 52 लोग शहीद हुए इसके लिए प्रतिभा सिंह ने माफी तो मांगी है पर और भी माफी मांगनी होंगे। उन्होंने कहा जब प्रतिभा सांसद में थी तो हिमाचल के ज़्यादा मुद्दे नहीं उठा पाई थी। आज कांग्रेस को ब्रिगेडियर की टोपी और मैडल से परेशानी हो रही और उनके शौर्य और प्रश्न उठान दरहसता है की कांग्रेस को फौजियों का फोबिया हो चुका है। उनके नेताओ कोरात को सपने में भी फौजी आते होंगे।

उन्होंने कहा की हम गर्वशाली है हमारे अध्यक्ष सुरेश काश्याओ भी फौजी है। आज प्रदेश में 20 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हो रहा है सब जगह हमे लीड मिलेगी। उन्होंने कहा हिम केअर से हेल्थ, गृहणी सुविधा योजना से गैस, समाजीक पेंशन योजना में 65 वर्ष की महिलाओं को पेंशन सब तरफ से प्रदेश की जयराम सरकार ने जनता के हितों में काम किया हैं।

हमारी सरकार सेंसिटिव सरकार है , पहेली बार पैराओलंपिक मैडल जीते वाले निषाद को दिया एक करोड़ प्रधान की गई, सत पाल ड्राइवर जिसने 25 लोगों की जान बचाई उसको सम्मानित किया गया एसा पहेली बार हुआ है।हमारी सरकार ने हर वर्ग तो लाभ पहुंचाया है, इन चुनावों में केंद्र और राज्य सरकार एक हो के चुनाव लड़ रही है हमारी जीत निश्चित है। भाजपा प्रदेश प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने प्रदेश कार्यालय दीपकमल चक्कर शिमला में चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक ली, बैठक में अभी तक के सभी कार्यों की समीक्षा भी की गई और आगामी योजनाओं के लेकर चर्चा भी की गई। बैठक में चिनाव प्रबंधन समिति के प्रमुख गणेश दत्त, सह प्रमुख विनोद ठाकुर एवं सभी विभागों के प्रमुखों ने भाग लिया।

वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021 : भारत 101वें स्थान पर पहुंचा, पाकिस्तान, नेपाल से भी पीछे

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

भारत 116 देशों के वैश्विक भुखमरी सूचकांक (जीएचआई) 2021 में फिसलकर 101वें स्थान पर आ गया है। इस मामले में वह अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल से पीछे है। वर्ष 2020 में भारत 94वें स्थान पर था। भूख और कुपोषण पर नजर रखने वाली वैश्विक भुखमरी सूचकांक की वेबसाइट पर बृहस्पतिवार को बताया गया कि चीन, ब्राजील और कुवैत सहित अठारह देशों ने पांच से कम के जीएचआई स्कोर के साथ शीर्ष स्थान साझा किया है।

सहायता कार्यों से जुड़ी आयरलैंड की एजेंसी कंसर्न वर्ल्डवाइड और जर्मनी का संगठन वेल्ट हंगर हिल्फ द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई रिपोर्ट में भारत में भूख के स्तर को 'चिंताजनक' बताया गया है। वर्ष 2020 में भारत 107 देशों में 94वें स्थान पर था। अब 116 देशों में यह 101वें स्थान पर आ गया है। भारत का जीएचआई स्कोर भी गिर गया है। यह साल 2000 में 38.8 था, जो 2012 और 2021 के बीच 28.8 - 27.5 के बीच रहा। जीएचआई स्कोर की गणना चार संकेतकों पर की जाती है, जिनमें अल्पपोषण, कुपोषण, बच्चों की वृद्धि दर और बाल मृत्यु दर शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पड़ोसी देश जैसे नेपाल (76), बांग्लादेश (76), म्यांमार (71) और

पाकिस्तान (92)भी भुखमरी को लेकर चिंताजनक स्थिति में हैं, लेकिन भारत की तुलना में अपने नागरिकों को भोजन उपलब्ध कराने को लेकर बेहतर प्रदर्शन किया है।

भाजपा की जीत तय, फतेहपुर जीतेंगे जयराम ठाकुर को मजबूत बनेएगे : कश्यप

फतेहपुर। (एजेंसी)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने फतेहपुर में बैठक में भाग लेते हुए कहा की यह हम सबके लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के नेता कारगिल युद्ध को युद्ध नहीं मानते , हम कांग्रेस से पूछना चाहते है कि वह कौनसे युद्ध को युद्ध मानते है। क्या हमारे हिमाचल के 52 सैनिक कारगिल युद्ध मे शहीद नही हुए। हिमाचल आने वीरों की शहादत को भूलेगा नही।

उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत को सुदृण बनाने में अहम भूमिका निभाई है आज से पूर्व कांग्रेस राज में भारत को एक कमज़ोर देश के रूप में।देखा जाता था पर आज पूरे विश्व मे भारत को एक मज़बूत देश के रूप में देखा जाता हैं।

जिस प्रकार से मोदी सरकार ने कोविड संकटकाल में देश की जनता का ख्याल रखा है उसकी चर्चा पूरे विश्व मे हो रही है, भारत मे विश्व का सबसे बड़ा टिकाकरण अभियान चल रहे है और देश के गरीबों के लिए अनेको योजनाएं बनाई गई है।

उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा ने बलदेव ठाकुर को मैदान में उतारा है और बलदेव ठाकुर को जीता कर फतेहपुर को विकास की अविरल गंगा से मिला है। फतेहपुर में कमल खिलेगा, यह तय है। हिमाचल सरकार में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृव में अभूतपूर्व विकास किया है, कोविड संकटकाल में भी विकास कार्य हिमाचल में रुके नहीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान हिमाचल सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सरकार ने महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने हेतु खंड स्तर पर हिम ईरा साप्ताहिक बाजार की शुरूआत की है। राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह द्वारा हिम ईरा दुकान संचालित की जा रही है। प्रदेश के मुख्य डाकघरों में महिला शक्ति केंद्र के रूप में विक्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं।

डिजिटल भारत अभियान के तहत ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को निशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान की जा रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के वोकल फॉर लोकल के लक्ष्य को साकार करते हुए ग्रामीण महिलाओं को राखी बनाने संबंधी

प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्वदेशी राखी बिक्री से महिलाओं को लगभग बाइस लाख (22,00000/-) रुपये की आमदनी भी हुई है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में छह कस्टम हायरिंग केंद्रों की शुरूआत की गई है, जहां से ग्रामीण किराये पर कृषि उपकरणों का प्रयोग कर सकेंगे। वर्ष 2020-21 में छब्बीस नए कस्टम हायरिंग केंद्र खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सार समाचार

अफगानिस्तान के दक्षिणी प्रांत की शिया मस्जिद में विस्फोट, 7 लोगों की मौत, कई जख्मी

काबुल। अफगानिस्तान के दक्षिणी प्रांत की एक शिया मस्जिद में जुमे (शुक्रवार) की नमाज़ के दौरान किए गए विस्फोट में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य जख्मी हो गए। अस्पताल के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। इससे एक हफ्ते पहले इस्लामिक स्टेट (आईएस) से संबद्ध स्थानीय संगठन ने उत्तरी प्रांत की एक शिया मस्जिद में बम विस्फोट किया था, जिसमें 46 लोगों की मौत हुई थी। यह कट्टरपंथी समूह तालिबान के शासन का विरोधी है और शिया समुदाय को मूर्तद (धर्मत्यागी) मानता है, जिन्हें मार दिया जाना चाहिए।

अफगानिस्तान के कंधार की मस्जिद में विस्फोट, तालिबान ने दी जानकारी

काबुल। दक्षिणी अफगानिस्तान के एक प्रांत की एक मस्जिद में जुमे (शुक्रवार) की नमाज़ के दौरान विस्फोट हुआ है। तालिबान के प्रवक्ता बिलाल करीमी ने बताया कि कंधार प्रांत की एक मस्जिद को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया है। इससे हफ्ते पहले देश के उत्तरी हिस्से में इसी तरह का विस्फोट किया गया था। उन्होंने मामले की अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई और कहा कि जांच चल रही है। तत्काल यह साफ नहीं हुआ है कि विस्फोट के पीछे किसका हाथ है। जुमे की दोपहर में होने वाली नमाज़ में मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में हिस्सा लेते हैं। मस्जिद में अक्सर शिया अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य आते हैं, जिन्हें अक्सर इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह निशाना बनाता है। पिछले हफ्ते, आईएस ने उत्तरी प्रांत कुंदुज़ में एक शिया मस्जिद के अंदर हुए आत्मघाती बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 46 लोगों की मौत हुई थी।

चीन-भूटान की सीमा वार्ता पर है भारत की नजर

नई दिल्ली। भूटान और चीन ने गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसे उन्होंने भूटान-चीन सीमा वार्ता में तेजी लाने के लिए 'तीन-चरणीय रोडमैप' कहा. भूटान के अनुसार वार्ता दोनों पक्षों को नई गति प्रदान करेगा और वार्ता को एक सफल निष्कर्ष पर ला सकता है. एमओयू ऐसे समय में आया है जब पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए चीन के साथ भारत की अपनी बातचीत किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच रही है. भारत की तरह, भूटान का भी चीन के साथ एक सीमा विवाद है, दोनों ने 1984 से अब तक 24 दौर की सीमा वार्ता कर चुके हैं, आखिरी बार 2016 में जब उन्होंने ये सीमा वार्ता की थी तो उसके कुछ दिनों बाद ही 2017 में भारत का चीन से डोकलाम विवाद हुआ था. भारत भूटान और चीन के बीच सभी सीमा संबंधों का बारीकी से पालन करता है क्योंकि विवादित क्षेत्रों पर चीनी दावों का नई दिल्ली के लिए गंभीर सुरक्षा निहितार्थ है. चीन-भूटान सीमा वार्ता पर विदेश मंत्रालय ने बहुत ही सधी हुई प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत दोनों देशों की समझौता वार्ता पर नजर रखे है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची से जब पूछा गया कि क्या भूटान ने भारत को एमओयू के बारे में सूचित किया है या नहीं. तब उन्होंने कहा कि 'भूटान और चीन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर पर हमारी नजर है. आप जानते हैं कि भूटान और चीन 1984 से सीमा वार्ता कर रहे हैं. इसी तरह, भारत चीन के साथ सीमा वार्ता कर रहा है.''

श्रीलंका की जेल में कैदियों ने पी लिया सैनिटाइजर, 2 की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के कोलंबो रिमांड जेल में हिरासत में लिए गए दो ईरानी कैदियों की सैनिटाइजर पीने से मौत हो गई। समाचार एजेंसीकी रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को एक बयान में जेल के प्रवक्ता चंदना एकनायके ने कहा कि जेल में बंद 10 अन्य ईरानी कैदियों ने सैनिटाइजर पी लिया, जिसके बाद सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एकनायके ने कहा कि कोविड -19 महामारी के मद्देनजर ईरानी दूतावास द्वारा कैदियों को सैनिटाइजर प्रदान किए गए थे। प्रवक्ता ने बताया कि हेरोइन की तस्करी के आरोप में हिरासत में लिए गए कैदियों ने बुधवार देर रात सैनिटाइजर का सेवन किया।

ऑस्ट्रेलिया की राजधानी में लॉकडाउन खत्म

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी में कोरोना वायरस लॉकडाउन दो महीने से अधिक समय के बाद शुक्रवार को समाप्त हो गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलियन कैपिटल टेरिटरी (एसीटी) 12 अगस्त से शुरू हुए एक लॉकडाउन से उभरा और शुरुआत में केवल सात दिनों तक चलने वाला था। शुक्रवार तक, कैनबरा के निवासियों को अधिकतम 25 लोगों के समूह में इकट्ठे होने की अनुमति है और उनके घरों में पांच पर्यटक हैं। सख्त संरक्षक प्रतिबंधों के अधीन कैफे, रेस्तरां, बार, व्यक्तिगत देखभाल सेवाएं और गैर-आवश्यक खुदरा फिर से खुल गए हैं। अधिनियम ने शुक्रवार को 35 नए स्थानीय रूप से अधिग्रहित कोविड संक्रमणों की सूचना दी, जिससे प्रकोप से जुड़े मामलों की संख्या बढ़कर 1,394 हो गई। एसीटी के मुख्यमंत्री एंड्रयू बर्र ने कहा कि सरकार का ध्यान दैनिक मामलों की संख्या से हटकर अस्पताल में भर्ती होने की संख्या पर होगा। बर्र ने कहा, हमारे लिए एक संभावित चिंता यह होगी कि अगर पूरी तरह से टीकाकरण वाले लोग अस्पताल या गहन देखभाल में हैं, तो इसका मतलब है कि टीके उन मामलों के अनुपात को कम करने के लिए काम कर रहे हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती या गहन देखभाल की आवश्यकता होती है। बर्र की धीरे-धीरे फिर से खोलने की योजना के तहत 29 अक्टूबर को प्रतिबंधों में और ढील दी जाएगी।

पाकिस्तान को एक और झटका, यूएनएचआरसी में भारत निर्विरोध निर्वाचित

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत को मानवाधिकार परिषद में तीन साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया. अगले साल की शुरुआत 'परिषद में विभिन्न विभाजनों या मतभेदों को दूर करने के लिए अपने बहुलवादी, उदारवादी और संतुलित दृष्टिकोण लाने' की प्रतिज्ञा के साथ की गई. भारत को चुनाव में डाले गए 193 मतों में से 184 मत मिले. चुनाव के लिए भारत के घोषणापत्र में इस बात पर जोर दिया गया था कि %संवाद, सहयोग और रचनात्मक और सहयोगात्मक जुड़ाव' द्वारा मानवाधिकारों के प्रचार और संरक्षण की सबसे अच्छी सेवा की गई. 47 सदस्यीय परिषद में तीन साल के कार्यकाल के साथ रोटेशन सदस्यता की प्रणाली के तहत इस वर्ष कुल 18 सीटों का चुनाव होना था.

एशिया समूह के देशों ने सर्वसम्मति से भारत, कजाकिस्तान, मलेशिया, कतर और संयुक्त अरब अमीरात को इस क्षेत्र की पांच सीटों के लिए समर्थन

दिया. सर्वसम्मति के बावजूद, दो बिगाड़ने वाले वोट डाले गए. फिजी और मालदीव के लिए एक-एक. अन्य क्षेत्रीय मतपत्र अफ्रीका के लिए पांच, दो समूहों, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन और पश्चिमी और अन्य देशों के लिए तीन-तीन और पूर्वी यूरोप के लिए दो थे. वे गैर-प्रतिस्पर्धी भी थे, क्योंकि विभिन्न समूहों ने केवल उतने ही देशों का समर्थन किया था जितने रिक्तियां थीं.

अमेरिका, जो इस साल राष्ट्रपति जो बाइडेन के पद ग्रहण करने के बाद परिषद में फिर से शामिल हुआ, चुनाव लड़ा और निर्वाचित हुआ, लेकिन केवल 168 वोटों के साथ, 18 देशों के वोटों की संख्या सबसे कम थी. पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2018 में अमेरिका को परिषद से वापस ले लिया था, जिसमें चीन, क्यूबा और वेनेजुएला जैसे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनकर्ताओं को सदस्य के रूप में रखने के लिए और जिसे उन्होंने 'इजरायल विरोधी' रुख कहा था, के लिए इसकी आलोचना की थी.

सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने कहा था कि वाशिंगटन की वापसी ने परिषद पर एक शून्य पैदा कर दिया था, जिसका सत्तावादी देशों ने फायदा उठाया था और इसका निवारण करने के लिए, अमेरिका को 'हमारे राजनयिक नेतृत्व के पूर्ण भार का उपयोग करके मेज पर होना चाहिए'. इस साल के चुनाव गैर-विवादास्पद थे, क्योंकि उन तीन देशों में से कोई भी या अन्य जो विवादों को भड़काने के लिए उत्तरदायी थे मतपत्र पर थे.

न्यू साउथ वेल्स होटल क्वारंटीन को करेगा समाप्त

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई राज्य न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) एक नवंबर से राज्य में प्रवेश करने वाले लोगों के लिए कोविड होटल क्वारंटीन आवश्यकताओं को समाप्त कर देगा। प्रीमियर डोमिनिक पेरोटेट ने शुक्रवार को यह जानकारी साझा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पेरोटेट ने कहा कि लोगों को उड़ान भरने से पहले केवल कोविड परीक्षण की आवश्यकता होगी और उन्हें पूर्ण टीकाकरण का प्रमाण भी दिखाना होगा। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दुनिया भर के वैक्सीनेटिड लोगों के व्यापार के लिए सिडनी, एनएसडब्ल्यू अब खुला है। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि 18 अक्टूबर से उन लोगों के लिए घरों, बाहरी सभाओं और आतिथ्य स्थलों पर आने वालों की संख्या पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, जिन्हें पूरी तरह से टीका नहीं लगाया है।

हालांकि, सिडनी की राजधानी और क्षेत्रीय क्षेत्रों के बीच यात्रा प्रतिबंध 1 नवंबर तक लागू रहेंगे। पेरोटेट ने कहा कि हमने आज एक निर्णय लिया है, कि ग्रेटर सिडनी से क्षेत्रीय यात्रा को स्थगित किया जाता है। मुझे पता है कि कई लोगों के लिए यह अलोकप्रिय होगा, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में, मेरा मानना है कि यह सही निर्णय है। उनकी घोषणा तब हुई जब एनएसडब्ल्यू के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि 16 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 91.4 प्रतिशत लोगों को कोविड -19 वैक्सीन की पहली खुराक मिली है, जबकि 77.8 प्रतिशत को पूरी तरह से टीका लगाया गया है। अधिकारियों ने पिछले 24 घंटों में 399 नए स्थानीय रूप से अधिग्रहित मामलों और चार मौतों की भी सूचना दी।

फ्रांस: ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए अतिरिक्त उपाय की घोषणा होगी

पेरिस (एजेंसी)।

फ्रांस सरकार ऊर्जा की कीमतों में जारी उछाल से निपटने के लिए अतिरिक्त उपाय करेगी। इसकी घोषणा राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने की।

मैक्रों ने पेरिस के उपनगर सीन-सेंट-डेनिस की यात्रा के दौरान कहा कि यह भी संप्रभुता का सवाल है। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में सरकार अपनी प्रतिक्रिया को विकासशील स्थिति के अनुरूप पूरक करेगी .. ताकि कोई पीछे न छूटे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह विषय राष्ट्रपति के लिए और भी संवेदनशील है क्योंकि ईंधन की कीमतों में वृद्धि के कारण 2018 की सर्दियों में येलो वेस्ट आंदोलन का संकट शुरू हो गया था।

उन्होंने इस सर्दी के अंत तक गैस की कीमतों को स्थिर करने के प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स के फैसले का जिक्र करते हुए कहा, फ्रांसीसी के लिए इसका क्या मतलब है, मैं इसे कम नहीं समझता। कुछ उपाय हैं जो मूल्य फ्रीज के साथ किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कुछ 60 लाख कम आय वाले परिवारों को 100 यूरो की असाधारण ऊर्जा जांच की पेशकश की भी घोषणा की। फ्रेंच नेशनल एनर्जी ओम्बड्समैन के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 84 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपने ऊर्जा व्यय पर अपनी चिंता व्यक्त की और 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्होंने बहुत अधिक बिलों का भुगतान करने से बचने के लिए घर में हीटिंग कम कर दी है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में कराया गया भर्ती

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को संक्रमण के कारण तबीयत खराब होने के बाद दक्षिणी कैलिफोर्निया के एक अस्पताल में मंगलवार को भर्ती कराया गया, लेकिन अब उनके ''स्वास्थ्य में सुधार'' हो रहा है। क्लिंटन के प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। क्लिंटन (75) के प्रवक्ता एंजेल यूरेना ने एक बयान में बताया कि पूर्व राष्ट्रपति को संक्रमण के कारण मंगलवार शाम को 'यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया इरविन मेडिकल सेंटर' में भर्ती कराया गया था। वह कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं हैं। उरेना ने कहा, ''उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और वह अच्छा महसूस कर रहे हैं। वह बेहतरीन तरीके से उनकी देखभाल करने के लिए चिकित्सकों, नर्सों और अस्पताल कर्मियों के अत्यंत आभारी हैं।''

कैलिफोर्निया के प्रवक्ता की ओर से जारी दूसरे बयान में चिकित्सकों डॉ. अल्पेश अमीन और डॉ. लीसा बर्डाक के हवाले से बताया गया कि पूर्व राष्ट्रपति को एंटीबायोटिक दवाएं और तरल पदार्थ दिया गया है। चिकित्सकों ने कहा, 'दो दिन के उपचार के बाद उनकी श्वेत रक्त कणिकाओं की संख्या कम हो रही है और एंटीबायोटिक दवाओं का उन पर असर हो रहा है। कैलिफोर्निया स्थित चिकित्सकों का दल (पूर्व) राष्ट्रपति के हृदय रोग विशेषज्ञ सहित न्यूयॉर्क स्थित उनके चिकित्सकों के दल के लगातार संपर्क में है। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही घर जा पाएंगे।'

2001 में व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद के क्लिंटन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। लंबे समय तक सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ के बाद 2004 में उनकी बाईपास सर्जरी हुई थी। एक फेफड़े के आंशिक रूप से काम करना बंद कर देने के कारण 2005 में उनकी एक और सर्जरी हुई थी और 2010 में कोरोनरी धमनी में स्टेंट लगाए गए थे।

अमेरिका को वार्ता प्रस्तावों पर उत्तर कोरियाई प्रतिक्रिया का इंतजार

वाशिंगटन/सियोल। अमेरिका बिना किसी पूर्व शर्त के उत्तर कोरिया के साथ मिलने के लिए तैयार है क्योंकि वह अपने विशिष्ट प्रस्तावों पर प्योंगयांग की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। इसकी जानकारी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने दी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को वाशिंगटन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ उनकी सुरक्षा को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए सक्रिय रूप से कूटनीति में लगा हुआ है। हम बिना किसी पूर्व शर्त के डीपीआरके से मिलने के लिए तैयार हैं। हमने वास्तव में डीपीआरके को विशिष्ट प्रस्ताव दिए हैं और हम प्रतिक्रिया और डीपीआरके से आउटरीच का इंतजार करेंगे। डीपीआरके का मतलब डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया है, जो उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम है। प्राइस ने सीधे तौर पर इस बात पर कोई टिप्पणी नहीं की कि उत्तर के लिए अमेरिकी प्रस्तावों में प्रतिबंधों को कम करना या हटाना शामिल है या नहीं। उत्तर कोरिया 2019 की शुरूआत से अमेरिका के साथ परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता से दूर रहा है। यह जनवरी में पदभार ग्रहण करने के बाद से राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन द्वारा किए गए अमेरिकी प्रस्तावों के प्रति भी अनुत्तरदायी बना हुआ है।

आसियान के विदेश मंत्री म्यांमा के खिलाफ पाबंदी लगाने पर करेंगे विचार

कुआलालंपुर। (एजेंसी)।

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के विदेश मंत्री शुक्रवार को आपात बैठक में चर्चा करेंगे कि म्यांमा के सैन्य नेता को संगठन के वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाए या नहीं। म्यांमा की अपदस्थ की गई नेता आंग सान सू ची से मिलने की इजाजत नहीं देने कारण विशेष दूत का दौरा रद्द होने से संगठन में तनाव पैदा हो गया है। म्यांमा का संकट खत्म करने के लिए अगस्त में आसियान ने ब्रूनेई के द्वितीय विदेश मंत्री इरिवान यूसुफ को विशेष दूत के तौर पर नामित किया था। सू ची और अन्य नेताओं से मिलने की अनुमति नहीं दिए जाने के कारण विशेष दूत ने इस सप्ताह म्यांमा का अपना दौरा अचानक रद्द कर दिया। म्यांमा के अधिकारियों ने बताया कि सू ची के खिलाफ आपराधिक आरोपों के कारण विशेष दूत उनसे मुलाकात नहीं

कर पाएंगे।

म्यांमा के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा था कि म्यांमा पर राजनीति से प्रेरित दबाव बनाने के बजाए इरिवान को भरोसा कायम करने के लिए काम करना होगा। म्यांमा में सेना ने एक फरवरी को सू ची की निर्वाचित सरकार का तख्तापलट कर दिया था। उसके बाद से छिड़ी हिंसा में 1100 से ज्यादा आम नागरिकों की मौत हो चुकी है। इस वजह से 10 देशों के संगठन आसियान पर म्यांमा के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने का बहुत दबाव है। आसियान के कुछ देशों ने सहयोग नहीं करने के लिए म्यांमा पर पाबंदी लगाने की मांग की है।

आसियान के 26-28 अक्टूबर को डिजिटल तरीके से आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन में जनरल मिन आंग हलाएंग को हिस्सा लेने की अनुमति को तख्तापलट को मान्यता के तौर पर समझा जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन समेत कई देश के नेताओं ने म्यांमा में चुनी हुई सरकार के तख्तापलट की निंदा की थी और सैन्य नेताओं, उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के खिलाफ पाबंदी लगा दी थी। आसियान के विदेश मंत्री शुक्रवार को जनरल हलाएंग को शिखर सम्मेलन में अनुमति देने या नहीं देने समेत कई प्रस्तावों पर विचार करेंगे। आसियान के एक राजनयिक ने कहा कि हो सकता है कि निचले स्तर के किसी अधिकारी को देश का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति दी जाए।

विमान का किराया कम करो वरना अफगानिस्तान में लैंड नहीं करने देंगे, तालिबान ने पाकिस्तान को हड़काया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

तालिबान ने पाकिस्तान को खुलेआम हड़काया है। तालिबाने पाकिस्तान से कहा है कि अगर उसने अपने विमान का किराया कम नहीं किया तो उसके विमान को अफगानिस्तान में उतरने नहीं देगा।

तालिबान ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए)और अफगानिस्तान के Kam Air को कहा है कि वो काबुल से इस्लामाबाद जाने वाली फ्लाइटों का किराया कम कर दें। शुक्रवार को स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि इसके साथ ही तालिबान ने यह भी साफ किया है कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो अफगानिस्तान में उनकी लैंडिंग को प्रतिबंधित कर देंगे।

एक रिपोर्ट में अफगानिस्तान के सिविल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के बयान के हवाले से बताया कि इस बयान में कहा गया कि पाकिस्तान की पीआईए और अफगानिस्तान की चड्ढद्ध द्बह्ल की काबुल-इस्लामाबाद विमान सेवा को प्रतिबंधित कर दिया जाएंगे अगर अगर उन्होंने इसका किराया कम नहीं किया तो। तालिबान की तरफ से कहा गया है कि उनके अफगानिस्तान में टेकओवर करने से पहले जितना किराया लगता था उनता ही किराया अभी भी वसूला जाए। बयान में यह भी कहा गया है कि एयरलाइंस पर जुर्माना लगाया जाएगा और अगर वो नियमों को तोड़ते हैं तो उन्हें सजा भी दी जाएगी।

तालिबान ने इन एयरलाइनों को वार्निंग देते हुए कहा कि अभी यह एयरलाइंस काबुल से इस्लामाबाद के लिए प्रति टिकट 2500 डॉलर से ज्यादा चार्ज कर रहे हैं। इस बयान में यहां नागरिकों से भी अपील की गई है कि अगर एयरलाइंस नियम तोड़ते हैं तो इसकी जानकारी दी जाए। बता दें कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के 2 महीने पूरे हो गए हैं।

उत्तर कोरिया ने चिकित्सा आपूर्ति प्राप्त करने के लिए पश्चिमी समुद्री मार्ग खोला: यूनिसेफ

सियोल (एजेंसी)।

सियोल में यूनिसेफ कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने कोविड -19 महामारी के कारण बंद होने के बाद मानवीय सहायता वितरण प्राप्त करने के लिए पश्चिमी तट पर एक प्रमुख समुद्री मार्ग खोल दिया है।

योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने डालियान के चीनी बंदरगाह से उत्तर कोरिया के नंपो तक चिकित्सा आपूर्ति शुरू कर दी है और अधिक वस्तुओं को वितरित करने की योजना बना रही है। यूनिसेफ के सियोल संपर्क कार्यालय के प्रमुख ओरेन श्लीन ने सियोल के पश्चिम में इंचियोन में आयोजित एक शांति मंच के दौरान कहा कि चीन के डालियान से नम्पो तक का समुद्री मार्ग खोल दिया गया है। कुछ चिकित्सा आपूर्ति (उत्तर कोरिया को) भेज दी गई है, और अधिक वितरित की जाएगी। दिसंबर 2019 में चीन में पहली बार कोविड -19 महामारी के फैलने के बाद से उत्तर कोरिया ने सीमा नियंत्रण कड़ा कर दिया था। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और अन्य मानवीय समूहों द्वारा भेजी जाने वाली प्रमुख सामग्रियों और चिकित्सा आपूर्ति के लिए समुद्री और भूमि मार्गों को बंद कर दिया था। विश्व खाद्य कार्यक्रम के एक वरिष्ठ नीति सलाहकार मैरियन यून ने कहा कि प्योंगयांग को अपने भोजन की कमी को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त करने के लिए अपने सीमा प्रतिबंधों को कम करने की आवश्यकता है। यूं ने कहा कि उत्तर कोरिया में डब्ल्यूएफपी का खाद्य भंडार इस साल पहले ही खत्म हो चुका है। उत्तर कोरिया की खाद्य स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण कारक यह है कि उसकी सरकार मानवीय सहायता के वितरण को मंजूरी देती है या नहीं। पिछले हफ्ते, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि उसने डालियान के माध्यम से उत्तर कोरिया को कोविड -19 चिकित्सा आपूर्ति की शिपमेंट शुरू कर दी है। प्योंगयांग ने कोरोनोवायरस-मुक्त होने का दावा किया है और अपने महामारी विरोधी अभियान के लिए बाहरी मदद को इस डर से खारिज कर दिया है

कि कोई भी शिपमेंट वायरस को देश में फैला सकता है।

संपादकीय

पर्व का मर्म

भारत सदियों से पर्व-त्योहारों की भूमि रहा है। इन पर्वों का मकसद जहां सामाजिक समरसता का संदेश रहा है, वहीं ऋतुओं के अतिरेक से उत्पन्न एकरसता को तोड़कर जीवन में उल्लास भरना भी रहा है। जब वर्षा ऋतु के दौरान सामाजिक निष्क्रियता और बरसात में होने वाली व्याधियों से जनमानस उबरता है तो गुलाबी ठंड की दस्तक के साथ पर्वों की शृंखला शुरू होती है। जन्माष्टमी, रक्षाबंधन के बाद रामलीलाओं का मंचन होता है। सदियों से मंचित की जा रही रामलीलाओं के जरिये जीवन की मर्यादाओं का पाठ जनमानस को स्मरण कराने का प्रयास किया जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम कहे जाने वाले श्रीराम के संपूर्ण जीवन में मर्यादाओं का पालन अभीष्ट रहा है। वे कठोरता से जीवन की मर्यादाओं का पालन करते हैं और मर्यादा तोड़ने वालों को दंडित करते हैं। अब चाहे ऋषि-मुनियों की तपस्या भंग करने वाले असुर हों या फिर भाई का हक मारने वाले बाली को दंड देना। पिता के वचनों की मर्यादा को पूरा करने के लिये राजपाट छोड़कर वन गमन करते हैं। सबरी के बेर खाकर सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। वनवासियों व आदिवासियों के साथ समता का व्यवहार करके उन्हें अपना साथी बनाते हैं। वनवास के दौरान रावण द्वारा छल करके सीता के हरण के बाद वे लंका पर चढ़ाई करके रावण को स्त्री अस्मिता से खिलवाड़ के लिये दंडित करते हैं। दरअसल, पूरी रामलीला हमें व्यावहारिक जीवन में मर्यादाओं के पालन व सदाचारी जीवन जीने की प्रेरणा देती है। उसी कड़ी में असत्य पर सत्य की जीत के रूप में दशहरा पर्व हमारे समक्ष एक प्रेरणा व सीख के रूप में उपस्थित होता है। यही वजह है कि सदियों से दशहरे पर रावण दहन की परंपरा देश में जारी है, जिसके समाज के लिये गहरे निहितार्थ हैं कि असत्य सदा हारता है। अन्याय पर न्याय की जीत होती है। पूरा देश इसे एक उत्सव की तरह मनाता है। जात-पात व धर्म के भेदों से इतर यह पर्व सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है। यह विडंबना है कि देश में कोरोना संकट की दस्तक ने हमें भारतीय पर्व-त्योहारों को परंपरागत उल्लास से मनाने के प्रति सचेत किया है। वह भीड़ जो कभी सामाजिक उल्लास व समरसता के पर्व की पर्याय थी, अब सुरक्षित दूरी की नसीहत है। तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच यह सावधानी भी जरूरी है। इसके बावजूद सर्वकालिक पर्व दशहरे की महत्ता कम नहीं होती। सुरक्षित दूरी के साथ हमें इस त्योहार को मनाना ही नहीं है बल्कि इसके गहरे निहितार्थों को अंगीकार भी करना है। यह पर्व हमें आत्ममंथन का मौका देता है। हम रावण के व्यक्तित्व को सिरे से खारिज नहीं कर सकते। वह एक प्रकांड विद्वान भी था। उसकी लंका में अकूत संपदा थी, जिसको उसने सोने से गढ़ा था। लेकिन जब एक स्त्री का अपहरण कर उसकी अस्मिता से खिलवाड़ किया तो उसका त्याग, तप व पुरुषार्थ राख बन गया। हर साल रावण दहन का यही सामाजिक संदेश लोगों को देने का प्रयास किया जाता है। लेकिन विडंबना यही है कि भारतीय समाज में लोगों ने रावण दहन का उल्लास तो मनाया, मगर उसके गहरे निहितार्थ को अंगीकार नहीं किया, जिसके चलते आज गली-गली में रावण संस्कृति के लोग स्त्री अस्मिताओं से खिलवाड़ कर रहे हैं। आये दिन स्त्रियों से होने वाली यौन हिंसा उसकी गवाही दे रही है। कन्या पूजन वाले देश में स्त्रियों के खिलाफ लगातार बढ़ते अपराध जहां एक कानूनी समस्या है, वहीं एक बड़ी सामाजिक समस्या भी है कि हम नैतिक पतन की किस डगर पर बढ़ चले हैं।

'आज के ट्वीट

यह तालिबान नहीं हिंदुस्तान है

सिंघु बॉर्डर पर जिस बर्बरता के साथ लखबीर सिंह की हत्या की गई है अब उसके लिए कोई भी किसान नेता जवाबदेही के लिए तैयार नहीं है। किसानों का नाम लेकर जो लोग यहां बैठे हैं उनमें कुछ शर्म बची है तो आगे आकर देशवासियों से माफी मांग लो। देश को शर्मसार मत करो। यह तालिबान नहीं हिंदुस्तान है। - बबीता फोगाट

म्यांमार से संवाद बनाये रखने की जरूरत

जी. पार्थसारथी

हालिया वक्त में दुनिया के ध्यान का केंद्र ज्यादातर अफगानिस्तान में तालिबान शासन द्वारा महिलाओं पर थोपे गए कड़े और क्रूर प्रतिबंधों से उत्पन्न मानवाधिकार हनन पर अधिक रहा है। जिस तरह बाइडेन प्रशासन ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी की बेढंगी योजना बनाई और क्रियान्वित किया है, उससे अमेरिकियों के अंदर खासा रोष है। यह कहना अतिश्योक्ति न होगी कि अमेरिकी सैनिकों के पलायन से दुनिया ने जो अफरातफरी मचते देखी और जिस बेतरतीब तरीके से इसको अंजाम दिया गया, वह सबको चौंकाने और झटका देने वाला रहा है। निकलते समय जैसी जिल्लत अमेरिकी फौज और नागरिकों को झेलनी पड़ी है, उससे अमेरिकी जनता खासतौर पर खफा है। पाकिस्तान के साथ गलबहियां डालने वाली नीति, वह भी उस वक्त, जब आईएसआई तालिबान को सुरक्षित पनाहगारें, हथियार और प्रशिक्षण मुहैया करवा रही हो, इससे कभी न खत्म होने वाला संकट बन चुका है। अब यह ज्यादातर महसूस किया जा रहा है कि अफगानिस्तान से जल्दबाजी में हुए सैन्य पलायन के पीछे राष्ट्रपति बाइडेन को मिली गलत सलाह है। अमेरिकी लोगों को यह समझ नहीं आ रहा है कि अफगानिस्तान पर चढ़ाई, जिसकी कीमत अमेरिकी खजाने को 8 ट्रिलियन डॉलर और कुल मिलाकर लगभग 90000 जानों से चुकानी पड़ी है, उसका अंत क्या इस तरह जलील होकर करना बनता था। जले पर नमक तब और हुआ, जब आईएसआई प्रमुख ने काबुल पहुंचकर अपेक्षाकृत नर्म मुल्ला बरादर के नेतृत्व वाली सरकार में आईएसआई के प्रिय, किंतु कट्टरवादी, हक्कानी परिवार का प्रभुत्व बड़ी आसानी से बनवा डाला। इतिहास में 'दहशत के खिलाफ दुनिया की जंग' के नाम पर अफगानिस्तान में अमेरिकी फौज की आमद को अब कूटनीतिक, सैन्य और आर्थिक रूप से एक गलत सलाह पर किए गए दुस्साहस की तरह देखा जाएगा। वाशिंगटन में संपन्न हुई क्वाड शिखर वार्ता, जो कि अमेरिकी पलायन के बाद जल्द हुई थी, उसमें यूं तो चर्चा का मुख्य विषय उत्तरोत्तर दबंग होते चीन से पैदा होने वाली चुनौतियों के मद्देनजर हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में आवाजाही को मुक्त, खुला और नियम-प्रचालित बनाने पर था। लेकिन इसमें म्यांमार को लेकर हुई चर्चा भी गौरतलब है। क्वाड ने कहा 'हम म्यांमार में हिंसा बंद करने का आह्वान जारी रखे हुए हैं, पुरानी लोकतांत्रिक व्यवस्था को बहाल किया जाए, साथ ही आसियान संगठन के 'पांच सूत्रीय आम समहति वाले समझौता उपायों' पर अमल किया जाए'। यह पहली मर्तबा है कि भारत ने अपने किसी पड़ोसी के मानवाधिकार हनन पर विशेष रूप से नाम लेकर की गई ताड़ना पर अन्य मुल्कों, यहां तक कि अमेरिका का भी, साथ दिया हो। म्यांमार की भारत के साथ 1640 किमी लंबी थलीय सीमा रेखा है, जो हमारे विद्रोह प्रभावित राज्यों– मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश से लगती है। सीमापारीय विद्रोहियों से निपटने में भारत और म्यांमार की सेना के बीच सहयोग दोनों देशों के परस्पर संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। दूसरी ओर, चीन ने म्यांमार से बरतने में 'इनाम अथवा दंड' की नीति अपना रखी है, गोया वह सेवक हो। पश्चिमी ताकतों द्वारा संयुक्त राष्ट्र में म्यांमार को लेकर पेश किए जाने वाले प्रस्तावों पर चीन उसकी ढाल बन जाता है लेकिन बाकी जगह उसके प्रति रवैया मनमानी और दोहन करने वाला है। इसका सीधा संबंध म्यांमार के विद्रोही संगठनों से उसके गहरे नाते से है, इसमें विशेष रूप से शान प्रांत के अत्यधिक हथियारों से लैस यूनाइटेड वास स्टेट आर्मी और अन्य सशस्त्र विद्रोही गुट हैं। म्यांमार पर काबिज सैनिक शासन के खिलाफ मुखालफत लगातार बढ़ रही है, लेकिन चीन पर निर्भरता इस कदर है कि अनेकानेक द्विपक्षीय और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर ज्यादा चीन की चलती है। इसी बीच चीन को म्यांमार से होकर गुजरती अपनी 800 किमी लंबी तेल एवं गैस आपूर्ति पाइप लाइन, जिसका एक छोर बंगाल की खाड़ी में क्याकपऊ बंदरगाह स्थित टर्मिनल में है तो दूजा चीन के युन्नान प्रांत तक है, उसकी विशेष सुरक्षा सुनिश्चित करने को म्यांमार का साथ चाहिए। म्यांमार की सेना को फिलवक्त जितना विरोध अब सहना पड़ा रह है वह उम्मीद से परे है और सौदेबाजी से शांत करना कठिन है। म्यांमार में जारी हिंसा को लेकर विश्वभर में रंज है, वहीं पड़ोसी आसियान संगठन के देश फौजी निजाम पर लगातार दबाव बढ़ा रहे हैं। आसियान मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों ने 'पांच सूत्रीय आम सहमति वाले समझौता उपाय' वाला फार्मूला तैयार किया है। इसके तहत हिंसा पर तुरंत रोक, सभी पक्षों को अधिकतम संयम बरतना पहला काम है। साथ ही, नागरिक हित में, शांतिपूर्ण हल हेतु संबंधित पक्षों में रचनात्मक संवाद की शुरुआत करना है। ब्रुनेई के अतिरिक्त विदेश मंत्री एरिवान यूसुफ को म्यामांर मामलों पर आसियान का विशेष दूत नियुक्त किया गया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रतिनिधि टीएस कृष्णमूर्ति ने इसी बीच म्यामांर सरकार से संयम बरतने और आंग सान सू की समेत सभी नजरबंद राजनीतिक कैदियों को रिहा करने की मांग की है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकेन ने भी इन प्रयासों का स्वागत किया है, जिन्हें दुर्भाग्यवश फौजी शासकों ने रोक रखा है। इस दौरान म्यांमार ने आसियान के विशेष दूत द्वारा आन सान सू की को रिहा करने वाले सुझाव को खारिज कर दिया है। म्यांमार के हालात जड़ता की ओर अग्रसर हैं, परिणामवश और अधिक जानें जाएंगी, भारत को सुनिश्चित करना होगा कि इन घटनाओं का असर म्यांमार के साथ लगते हमारे इलाकों की शांति और स्थायित्व पर न होने पाए। म्यांमार के सैनिक शासकों द्वारा अपनाए अड़ियल रुख से आसियान संगठन में गुस्सा और मायूसी है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में म्यांमार के सैनिक शासन पर दंडात्मक उपाय लागू करने वाले प्रस्तावों का न तो चीन और न ही रूस ने समर्थन किया है। इस बीच, यह सुनिश्चित करने को कि म्यांमार में बने हालातों से हमारे उत्तर-पूरबी राज्यों में बड़े पैमाने पर शरणार्थियों की आमद न बनने पाए, भारत को म्यांमार की सरकार से निकट संवाद बनाए रखना होगा। अगरचे म्यांमार से भागे शरणार्थियों को शरण देनी भी पड़े, तो पूरे मामले से बड़ी संवेदनशीलता से बरतने की जरूरत है। यह बात दिमाग में बनाए रखनी होगी कि म्यांमार भारत के विद्रोहियों के खिलाफ अभियानों में बहुत सहयोग करता आया है लिहाजा भारत की उत्तर-पूरबी सीमा पर शांति और सुरक्षा बनाए रखने को म्यांमार सेना के साथ विमर्श कायम रखना जरूरी है।

आसियान संगठन के राष्ट्राध्यक्ष इस बात को लेकर ऊहापोह में हैं कि जिस तरह उनके शांति प्रस्तावों को म्यांमार ने खारिज किया है और इस राह पर कोई प्रगति नहीं हो पाई, उसके चलते इस महीने के अंत में होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन में सैनिक शासक को आमंत्रित किया जाए या नहीं। हाल ही में विशेष दूत एरिवान यूसुफ ने एक पत्रकार वार्ता में कहा था कि सैन्य पंचाट ने पहले आसियान के सुझाए पांच सूत्रीय आम सहमति समझौता प्रपत्र पर हामी भरकर अप्रैल माह से अमल करना माना था, लेकिन फिर पीछे हट गया, इसको 'वादे से मुकरना' माना जाएगा। भारत को आसियान के विशेष दूत और म्यांमार सरकार के साथ निकट संवाद कायम रखते हुए क्षेत्रीय आम सहमति बनाने वाले उपायों पर काम जारी रखना होगा। हमारे पूरबी पड़ोस में स्थायित्व एवं शांति कायम रहे, इसलिए यह करना जरूरी है।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

खेलकूद

जग्गी वासुदेव

जब आप बच्चे थे तब आप का खेलकूद आप को पूरी तरह व्यस्त रखता था, आप का खेलकूद हर समय चलता रहता था। आप जब युवा हुए तो वो सब खेलकूद आप को थोड़ा मूर्खतापूर्ण लगने लगा, आप को लगा कि अब आप थोड़े गंभीर और उद्देश्यपूर्ण हो गए हैं। उसके बाद क्या हुआ? आप की बुद्धिमत्ता को आप के हार्मोन्स ने जकड़ लिया। फिर आप कुछ भी स्पष्ट रूप से दिखना बंद हो गया। अचानक ये होने लगा कि जब भी आप किसी स्त्री या पुरुष को देखते थे तो सभी प्रकार की चीजें हो जाती थीं। फिर धीरे-धीरे आप बूढ़े होने लगे। बूढ़े लोग बस हमेशा चिंतित रहते हैं। एक बच्चा पूरी तरह से खेल में व्यस्त रहता है, आप उससे अंतिम सत्य के बारे में बात नहीं कर सकते। युवा पूरी तरह से हार्मोन्स के शिकंजे में होते हैं, उनसे भी आप ये बातें नहीं कर सकते। बूढ़े लोग बस इस चिंता में लगे रहते हैं कि वे स्वर्ग में कहां होंगे? तो आप उनसे भी इस बारे में बात नहीं कर सकते। फिर बताईये, यहां है कौन? कोई ऐसा, जो न बच्चा हो, न युवा, न वृद्ध-कोई ऐसा जो सिर्फ जीवन हो-सिर्फ उससे ही आप ये बात कर सकते हैं। अत॰, इस बात को आप अपने पहले या आखिरी कदम के रूप में न देखें। यहां बस जीवन के एक अंश की तरह रहें। उस तरह से रहना ही सबसे अच्छी तरह से 'होना' है। आप कोई युवा नहीं हैं, न ही कोई वृद्ध हैं। ये तो धरती तय करेगी कि आप के शरीर को कब वापस लेना है। जब खाद तैयार हो जाएगी तब धरती इसे वापस ले लेगी, पेड़ तो प्रतीक्षा कर ही रहे हैं। इस बारे में चिंता मत कीजिये। आप बस जीवन का एक अंश हैं। इस जीवन के रूप में कोई युवा नहीं, कोई वृद्ध नहीं, कोई बच्चा नहीं। इस जीवन को बस कुछ बड़े में परिपक्व होना है! जीवन के सभी पहलू आप के लिए सिर्फ तभी घटित होंगे जब आप यहां बस जीवन के एक अंश के रूप में होंगे। आप अगर यहां एक पुरु ष के रूप में हैं, तो आप के लिए कुछ चीजें घटित होंगी। यदि आप एक स्त्री के रूप में हैं तो कुछ अन्य चीजें होंगी। और अगर आप बस एक बच्चे के रूप में हैं तो कुछ और होगा। अगर आप एक डॉक्टर के रूप में हैं, या एक इंजीनियर या कलाकार, या कुछ और, तो आप के लिए कुछ अलग अलग चीजें घटित होंगी, लेकिन अगर आप यहां जीवन के एक अंश की तरह होंगे तो फिर जीवन के साथ जो कुछ हो सकता है, वो सब आप के साथ होगा।

अब अंतरिक्ष में राजा चारी की सल्तनत

अरुण नैथानी

नासा व यूरोपीय अंतरिक्ष संगठन के साझे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष मिशन का नेतृत्व यदि किसी भारतीय वंशज को मिले तो निस्संदेह हर देशवासी के लिये यह गौरव का क्षण होगा। इस गौरवशाली क्षण का अहसास कराने वाले हैं अमेरिकी सेना में कर्नल राजा चारी। यूं तो वे नासा के अंतरिक्ष मिशन के हिसाब से अंतरिक्ष में जाने वाली कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स के बाद तीसरे अंतरिक्ष यात्री होंगे, लेकिन पिछले दिनों एक निजी अंतरिक्ष उड़ान में शामिल शिरीषा बंदला को भी इसमें शामिल करें तो राजा चारी चौथे भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री होंगे। वैसे भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा को भी इसमें शामिल करें तो राजा पांचवें भारतीय होंगे। यह महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष उड़ान इस माह के अंतिम दिन होने वाली है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इसके अगुआ राजा चारी होंगे। निस्संदेह यह कामयाबी हर भारतीय युवा के लिये प्रेरणा तो है ही, साथ ही सवाल यह भी कि हम ऐसी प्रतिभाओं को अपने देश में क्यों नहीं सहेज पाते। स्पेसएक्स-नासा के इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्रियों में महत्वपूर्ण नेतृत्व की भूमिका राजा चारी को मिली है और वे विशेष यान से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ेंगे और वहां छह माह तक रहेंगे। साथ ही वे आगे अंतरिक्ष अभियानों के लिये शोध करेंगे। चारी के साथ इस अभियान में नासा के टॉम मार्शबर्न और कायला बैरोन तथा यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के मथायस मौरर भी शामिल रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ये मिशन नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से 31 अक्तूबर को अपने मिशन पर निकलेगा। इस अभियान में बड़ी भूमिका राजा चारी की होगी। अमेरिकी वायुसेना की लंबी पारी का अनुभव इस अभियान में मददगार होगा। दरअसल, अंतरिक्ष में जाना राजा चारी का सपना था। नासा के लिये वर्ष 2013 में भी चारी ने प्रयास किया लेकिन उनका चयन नहीं हो सका। दरअसल, अंतरिक्ष में जाना राजा चारी का सपना रहा है। वे वर्ष 2012 में अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स से मिले भी थे। वर्ष 2017 में उनका लंबी प्रक्रिया के बाद चयन हुआ। करीब साढ़े अट्ठारह हजार लोगों में से सिर्फ 12 लोगों का चयन हुआ था। फिर नासा के ह्यूस्टन स्थित जॉनसन अंतरिक्ष केंद में दो साल की सघन ट्रेनिंग उन्होंने की, जिसमें अंतरिक्ष में जीने के तौर-तरीकों के अलावा काम करने का प्रशिक्षण उन्हें दिया गया। इसके अलावा महत्वपूर्ण यह भी है कि उन्हें आर्टेमिस टीम के सदस्य के रूप में चुना गया। यह टीम भविष्य में अमेरिका के चंद्र व मंगल मिशन के लिये काम करेगी। दरअसल आर्टेमिस कार्यक्रम एक अंतर्राष्ट्रीय मानव अंतरिक्ष यान कार्यक्रम है, जिसके लिये अमेरिकी सरकार आर्थिक संसाधन जुटाती है। इसका लक्ष्य वर्ष 2024 तक पहली महिला व दूसरे पुरुष को चांद के दक्षिण ध्रुव पर भेजना है। अमेरिकी सेना में पायलट राजा चारी मूल रूप से आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। उनके दादा वेंकट चारी हैदराबाद की उस्मानिया यूनिवर्सिटी में गणित के प्रोफेसर थे। दरअसल, राजा के पिता श्रीनिवास चारी पढ़ाई के लिये अमेरिका गये थे और फिर वहीं के होकर रह गये। वे आयोवा के सीडर फॉल्स में बस गये थे। राजा चारी का जन्म विस्कॉन्सिन के मिलवौकी में हुआ और आयोवा के सीडर फॉल्स शहर में अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की। वे वाटरलू शहर में अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहे हैं। कालांतर वर्ष 2009 में उनके पिता का निधन हो गया। लेकिन उनके कई परिजन भारत में रहते हैं और उनकी सफलता पर उन्हें बधाई देकर उत्साहित करते रहते हैं। स्कूली पढ़ाई के बाद राजा ने अमेरिका की वायु सेना अकादमी में एस्ट्रोनॉटिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की। तदुपरांत एमआईटी से एस्ट्रोनॉटिक्स और एयरोनॉटिक्स में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त की। फिर नौसेना टेस्ट पायलट स्कूल से पाठ्यक्रम पूरा किया और अमेरिकी वायु सेना अकादमी से भी पायलट की ट्रेनिंग हासिल की। उन्हें अमेरिका के अत्याधुनिक विमान मसलन एडवांस्ड लड़ाकू जेट एफ-35 बेड़े की कमान संभलाने का अनुभव है। बाद में राजा चारी इंटीग्रेटेड टेस्ट फोर्स के निदेशक भी रहे। हालांकि, अमेरिकी सेना में कर्नल 44 वर्षीय राजा चारी की यह पहली अंतरिक्ष उड़ान है, लेकिन उन्हें 2,500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव हासिल है। वे अमेरिका के इराक से युद्ध के दौरान भी अत्याधुनिक युद्धक विमान उड़ाते रहे हैं। अब पूरी दुनिया की नजरें उनकी पहली अंतरिक्ष यात्रा और महत्वपूर्ण मिशन के नेतृत्व पर रहेंगी। निस्संदेह इस अभियान की सफलता भविष्य के चांद व मंगल के लिये भेजे जाने वाले मिशनों के लिये राजा चारी की भूमिका का निर्धारण करेगी। जो करोड़ों भारतीयों के लिये प्रेरणा की मिसाल बनेगी। साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अभियान के नीति-नियंताओं को बड़े मिशनों के लिये प्रेरित करेगी। इस अभियान में चयन को लेकर राजा चारी खासे उत्साहित हैं और भारत से अपने परिजनों से मिलने वाली बधाई से खुश हैं। यूं तो राजा चारी कई बार भारत आये हैं, लेकिन पिछली बार वर्ष 2006 में वे तब भारत आये थे, जब वे बेंगलुरू में हुए एक एयर शो में शामिल अमेरिकी लड़ाकू विमानों के एक दल में शामिल थे। वे भारतीय अस्मिताओं से गहरे तक जुड़े हैं। उन्हें भारतीय व्यंजन खासे पसंद हैं। उन्होंने एक बार कहा था कि वे और उनका परिवार भारतीय रेस्तरां में खाने का स्वाद लेने को अति उत्साहित रहता है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

रसायानिक खेती का बेहतर विकल्प

'बेंवर खेती'

यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि हमलोग प्रतिदिन 0.5 मिली ग्राम जहर खाते हैं। लेकिन यह सच है। इंटरनेशनल फाउंडेशन आफ आर्गेनिक एग्रीकल्चर मूवमेंट नामक अंतरराष्ट्रीय संस्था ने आलू के 100 नमूनों में से 12 और टमाटर के 100 नमूनों में से 48 में जहर पाया था। इसी तरह उत्तरप्रदेश के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि हमारे शरीर में साल भर में करीब 174 मिली ग्राम जहर पहुंचता है और यह जहर अगर शरीर में एक साथ पहुंच जाए तो व्यक्ति की मृत्यु सुनिश्चित है। जानते हैं शरीर के अंदर यह जहर दूध, फल, सब्जी और अनाज खाने से धीमे गति से पहुंचता है और यह सब आज के रसायनिक खेती में उपयोग होने वाले उर्वरक के कारण हो रहा है।

देखा जाए तो हम लोग ज्यों-ज्यों विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं, हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। हमने वर्ष 1966-67 में हरित क्रांति का आगाज तो किया, लेकिन अंधाधुंध रसायनों और कीटनाशकों का उपयोग करके। जिसका परिणाम आज फलों व सब्जियों में जहर के रूप में सामने आ रहा है। मौजूदा समय में जरूरत है तो इस रसायनिक खेती के बेहतर विकल्प तलाशने की और वह जैविक खेती के रूप में सामने आ रहा है। अर्थात फिर से प्राकृतिक तरीके से खाद तैयार कर खेती करना। लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बम्पर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढ़लान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर ख्रेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व आकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कुटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती क ी तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकुल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बम्पर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढ़लान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर ख्रेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व आकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कुटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती की तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकुल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

सब्जियों की खेती के लिए तैयार करें पौधशाला

सब्जियों की खेती के लिए पौधशाला या नर्सरी में पौध तैयार करना एक कला है। इसे अच्छी तरह से तैयार करने के लिए तकनीकी जानकारी का होना आवश्यक है। सब्जियों की नर्सरी को मौसम और बेमौसम की दशा में सफलतापूर्व तैयार करने के लिए वैज्ञानिक तकनीकी अपनाकर किसान अच्छी खेती कर सकते हैं।

सब्जियों की खेती दो प्रकार से की जाती है। पहली में सब्जियों के बीजों को सीधा खेत में बिजाई कर दी जाती है जैसे - मटर, भिंडी, लोबिया, गाजर, मूली, शलगम व कद्दूवर्गीय फसलें, पत्ते वाली सब्जियां व फ्रेंच बीन आदि। दूसरे प्रकार में पहले बीजों को पौधशाला में बिजाई करके पौध तैयार की जाती है उसके बाद पौध की खेत में रोपई की जाती है जैसे - फूलगोभी, पत्तागोभी, ब्रोकली, टमाटर, बैगन, मिर्च, शिमला मिर्च, प्याज व गांठगोभी आदि।

उत्तर भारत में फूलगोभी व मिर्च की अगेती व मध्यकाल फसल की पौध तैयार करने के समय अधिक गर्मी के साथ-साथ वर्षा भी होती रहती है जिससे नर्सरी में आर्द्रगलन रोग लग जाने के कारण काफी पौध मर जाती है।

पौधशाला तैयार करने का स्थान-

पौधशाला या नर्सरी हमेशा ऊंचे स्थान पर तैयार करें जिसमें पानी ना भर सके तथा उसका उचित जल निकास हो सके। नर्सरी के नजदीक छायादार वृक्ष नहीं होने चाहिए। नर्सरी की भूमि बलुई दोमट व पीएच मान छह से सात के बीच होना चाहिए। नर्सरी को जहां तक हो उसी खेत के किनारे तैयार करना चाहिए जहां उनकी रोपाई करनी है।

सब्जियों की स्वस्थ पौध तैयार करने के लिए आवश्यक बातें -

बीज की बिजाई करने से पहले बीज जनित व्याधियों से बचाने के लिए बीज का उपचार करना चाहिए। इसके लिए दो ग्राम कैप्टान, भाहरम या बापस्टिन प्रति किलोग्राम बीज में करना चाहिए।

सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए तीन गुणा एक मीटर लम्बाई व चौड़ाई की क्यारियां बनानी चाहिए। बीच में एक फुट रास्ता खर पतवार निकालने व निराई-गुड़ाई के लिए छोडऩा चाहिए।

तीन मीटर लम्बी क्यारी के लिए दस किलोग्राम गोबर की सड़ीगली खाद व पौषकतत्व सौ ग्राम यूरिया, 150 ग्राम डीएपी व 120 ग्राम स्यूरेट आफ पोचश प्रति क्यारी की दर से मिलाकर क्यारी तैयार करनी चाहिए।

नर्सरी में पौध को रोगों से बचाने के लिए क्यारियों की मिट्टी का उपचार अवश्य करवा लें। पौध खेत में लगाने के लिए पंद्रह दिन पहले नर्सरी की सिंचाई में कमी कर दें। पौध उखाडऩे के 24 घंटे पहले खेत में खुला पानी लगा दें ताकी पौधों की जड़ों को नुकसान ना पहुंचे। पौध की रोपाई हमेशा शाम के समय करें। पौध लगाने के बाद हल्की सिंचाई करें।

अगर किसान भाई उपरोक्त बातों का ध्यान रखते हैं एक तो पौध सारी की सारी कामयाब होगी, मरने की संभावना इसमें काफी कम रहती है। इसके साथ ही साथ खेत में पौध का जमाव भी अच्छा होगा। इस प्रकार फसल अच्छी होगी और किसान भाई निर्धारित खर्च में अच्छा मुनाफा कमाने में सफल होंगे।

केन्द्र ने राज्यों से कहा, खाद्य तेल आयात शुल्क में कटौती का लाभ ग्राहकों को मिले

नई दिल्ली: केन्द्र सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि आयात शुल्क में कटौती किए जाने के बाद खुदरा खाद्य तेल की कीमतों में लगभग 15-20 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट आने की उम्मीद है। केंद्र ने आठ प्रमुख उत्पादक राज्यों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि यह लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाए, जिससे त्योहारों के दौरान उन्हें बढ़ी हुई तेल कीमतों से राहत मिले। बुधवार को, सरकार ने कच्चे पाम, सूरजमुखी और सोयाबीन तेलों की किस्मों पर बुनियादी सीमा शुल्क को खत्म कर दिया और खाद्य तेलों की खुदरा कीमतों को कम करने के लिए रिफाइंड खाद्य तेलों पर शुल्क में कटौती की थी। खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, '' सरकार के इस कदम (खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कटौती) से भारत में खाद्य तेलों की घरेलू कीमतों में कमी आ सकती है। इससे उपभोक्ताओं को 15 से 20 रुपये प्रति किलो खाद्य तेलों का फायदा होगा।'' मंत्रालय ने सभी प्रमुख खाद्य तेल उत्पादक राज्यों को 'उचित और तत्काल कार्रवाई' करने के लिए लिखा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि खाद्य तेलों की कीमतों को आयात शुल्क में कटौती के अनुरूप स्तर पर लाया जाए। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश को निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें कहा गया है ''... राज्य सरकार को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि केंद्र द्वारा की गई शुल्क कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाए, ताकि खाद्य तेलों की मौजूदा उच्च कीमतों से तत्काल राहत प्रदान की जा सके। मंत्रालय के अनुसार, इससे खाद्य मुद्रास्फीति को कम करने में भी मदद मिलेगी और खाद्य तेलों की कीमतों में लगभग 15-20 रुपए प्रति किलोग्राम की कमी करके आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। कटौती के बाद, कच्चे पाम तेल पर प्रभावी सीमा शुल्क 8.25 प्रतिशत है, जबकि कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर 5.5 प्रतिशत है। पहले इन तीनों कच्चे माल पर प्रभावी शुल्क 24.75 प्रतिशत था। चौदह अक्टूबर से प्रभावी आयात शुल्क और उपकर में कटौती 31 मार्च, 2022 तक लागू रहेगी। कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी के तेल पर कृषि बुनियादी ढांचा विकास उपकर (एआईडीसी) भी कम किया गया है।

पीएस5 पर जल्द आने वाला है एप्पल म्यूजिक : रिपोर्ट

सेन फ्रांसिस्को। स्पोटिफाई कई सालों से प्लेस्टेशन के साथ पार्टनर रहा है और अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भविष्य में एप्पल म्यूजिक पीएस5 पर भी दिखाई दे सकता है। आईमोर की रिपोर्ट के अनुसार, कुछ उपयोगकर्ताओं ने देखा कि जब वे एक नया यूएस-आधारित पीएस5 खाता बनाते हैं, तो उन्हें ऐप की पेशकश की जाती है, लेकिन इसे वास्तव में इंस्टॉल नहीं किया जा सकता है। एप्पल म्यूजिक सबरेडिट में, एक रेडिट उपयोगकर्ता ने एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें दिखाया गया कि उसे अपने पीएस5 में एप्पल म्यूजिक ऐप इंस्टॉल करने की सुविधा दी गई थी। हालांकि, जब उपयोगकर्ता ने ऐसा करने का प्रयास किया, तो निम्न त्रुटि संदेश प्रकट हुआ। यह ऐप केवल पीएस4 पर चलाने योग्य है। जबकि पीएस5 उपयोगकर्ता अभी तक एप्पल म्यूजिक को अपने डिवाइस पर डाउनलोड करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं, रिपोर्ट्स बताती हैं कि सोनी बहुत जल्द ऐप को उपलब्ध कराने जा रहा है। एप्पल म्यूजिक सेवा सैमसंग स्मार्ट टीवी, गूगल नेक्स्ट और एंड्रॉयड सहित कई अन्य उपकरणों पर पहले से ही उपलब्ध है। भारत में, प्लेस्टेशन 5 की कीमत सामान्य संस्करण के लिए 49,990 रुपये है जबकि डिजिटल संस्करण की कीमत 39,990 रुपये है। पीएस5 डिजिटल संस्करण प्रभावी रूप से पीएस5 के समान है, जिसमें डिस्क ड्राइव से सुसज्जित संस्करण के समान प्रसंस्करण शक्ति है। अपनी नवीनतम आय रिपोर्ट में, कंपनी ने खुलासा किया कि प्लेस्टेशन प्लस के वैश्विक स्तर पर 47.7 मिलियन ग्राहक हैं, जो 14.7 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) है।

चीन में अब गूगल, फेसबुक के बाद लिंक्डइन भी होगा बंद, माइक्रोसॉफ्ट ने किया बड़ा ऐलान

बिजनेस डेस्क :

माइक्रोसॉफ्ट ने गुरुवार को ऐलान किया कि वह चीन में अपनी सोशल नेटवर्किंग ऐप लिंक्डइन के लोकल वर्जन को बंद करने जा रही है। बता दें कि लिंक्डइन अमेरिका से संचालित होने वाला आखिरी प्रमुख सोशल नेटवर्क प्लेटफॉर्म है, जो अभी भी चीन में चल रहा है। लिंक्डइन को 2014 में चीन में लॉन्च किया गया था। हालांकि इसे काफी लिमिटेड फीचर्स के साथ लॉन्च किया गया था। दूसरे शब्दों में कहें तो चीन के लिए खासतौर से एक नया वर्जन बनाकर लॉन्च किया गया था ताकि चीन में विदेशी कंपनियों के लिए इंटरनेट के जो कड़े नियम बनाए गए हैं, उनका वो पालन कर सके।

कंपनी ने क्या कहा

माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि वह %चीन में कामकाज को लेकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और कड़े नियमों के अनुपालन की शर्तों% के चलते लिंक्डइन को बंद कर रही है। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट ने यह भी कहा कि वह इसकी जगह चीन में जॉब सर्च की एक वेबसाइट लॉन्च करेगी, जिसमें लिंक्डइन का सोशल नेटवर्क वाला फीचर नहीं होगा। बता दें कि चीन में फेसबुक से स्नैपचैट तक लगभग सभी प्रमुख

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बैन हैं। यहां तक कि चीन ने अपने यहां गूगल सर्च को भी बैन कर रखा है। इनकी जगह चीन अपना खुद का एक सोशल मीडिया संसार विकसित किया हुआ है।

बाजार में निवेशकों की संपत्ति छह दिनों में 10.56 लाख करोड़ से अधिक बढ़ी

नई दिल्ली :

शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार छठे कारोबारी दिन तेजी रही जिससे निवेशकों की संपत्ति 10.56 लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ गई। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को पहली बार 61,000 अंक के पार पहुंच गया। सेंसेक्स 568.90 अंक यानी 0.94 प्रतिशत चढ़कर 61,305.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में छह अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच 2,116.22 अंक यानी 3.57 प्रतिशत चढ़ा। बाजार में जारी तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण छह अक्टूबर से 10,56,157.81 करोड़ रुपए बढ़कर 2,72,76,704.86 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

कोल इंडिया हालात सामान्य होने तक किसी भी ई-नीलामी से परहेज करेगी

नई दिल्ली: बिजली उत्पादन संयंत्रों में कोयले के कम भंडार के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया ने अपनी सहायक कंपनियों से हालात सामान्य होने तक बिजली क्षेत्र के लिए विशेष फॉरवर्ड ई-नीलामी को छोड़कर कोयले की किसी भी तरह की ई-नीलामी आयोजित करने से परहेज करने को कहा है। गौरतलब है कि बिजली संकट की खबरों के मद्देनजर कोयले की आपूर्ति के लिए बिजली क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है। कोल इंडिया ने अपनी सहायक इकाइयों को भेजे एक पत्र में कहा, ''बिजली घरों में भंडार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए घटते स्टॉक को फिर से भरने के लिए बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। कोयला कंपनियों को सलाह दी जाती है कि बिजली क्षेत्र के लिए विशेष फॉरवर्ड ई-नीलामी को छोड़कर हालात सामान्य होने तक किसी भी ई-नीलामी से परहेज करें। इन सहायक कंपनियों में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल), भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) शामिल हैं। पत्र में कहा गया कि यदि कोई कोयला कंपनी बिजली क्षेत्र को भेजे जाने वाले कोयले को प्रभावित किए बिना किसी अन्य क्षेत्र को ई-नीलामी करना चाहती है तो ऐसी किसी भी नीलामी की योजना से पहले उचित कारण के साथ कोल इंडिया पहले बताया जा सकता है। कोल इंडिया ने कहा कि राष्ट्र के हित में यह केवल एक अस्थायी प्राथमिकता है और इसका आशय ई-नीलामी प्रारूप को रोकना नहीं है।

अमेजन पर भारत में सर्च रिजल्ट में हेरफेर और प्रोडक्ट की नकल करने का आरोप

बिजनेस डेस्क :

ई-कॉमर्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी अमेजन विवादों में घिर गई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि अमेजन ने भारत में दूसरी कंपनियों के प्रोडक्ट की नकल की और अपनी कंपनियों की बिक्री बढ़ाने के लिए अमेजन के सर्च रिजल्ट में हेरफेर की। रॉयटर्स की इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद जहां भारतीय खुदरा व्यापारियों ने सरकार से अमेजन के खिलाफ जांच शुरू करने की मांग की है। वहीं अमेरिकी सांसद एलिजाबेथ वॉरेन ने तो अमेजन.कॉम को बंद करने की ही मांग कर दी है। रॉयटर्स ने बताया कि उसके हाथ अमेजन के हजारों आंतरिक दस्तावेज लगे हैं, जिनके आधार पर उसने अपनी रिपोर्ट बनाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी कंपनी अमेजन भारत में अपने प्राइवेट ब्रांड्स को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्ट की नकल करने और सर्च रिजल्ट में हेरफेर कर दिखाने का व्यस्थित अभियान चला रही थी। बता दें कि अमेजन के लिए भारत से सबसे बड़ा और तेजी से ग्रोथ करता हुआ मार्केट है। रिपोर्ट में कहा गया कि कम के कम में भारत में यह पहली बार दिखता है कि अमेजन ने अपने उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए सर्च रिजल्ट में हेरफर की थी और दूसरे सेलर्स के उत्पादों को कॉपी किया। रिपोर्ट में कहा गया कि यह भी पता चलता है कि ऐसा करना अमेजन की औपचारिक रणनीति का हिस्सा था और कम से कम कंपनी के दो सीनियर एग्जिक्यूटिव ने इसकी समीक्षा की थी।

अमेरिकी सांसद वॉरेन लंबे समय से अमेजन की आलोचक रही हैं। उन्होंने इस रिपोर्ट को ट्विटर पर शेयर करते हुए कहा, हमें अमेजन के एकाधिकार शक्ति को लेकर जो आशंका थी, उसे ये डॉक्यूमेंट सही साबित करते हैं। यह कंपनी अपने मुनाफे के लिए अपने प्लेटफॉर्म में हेरफेर करने में सक्षम है और यह ऐसा करने के लिए तैयार भी दिख रही है। जबकि इससे हजारों छोटो व्यवसायों और उद्यमियों की जीविका छीन सकती है। उन्होंने कहा, यह उन बहुत से कारणों में से एक है, जिसकी वजह से इसे बंद कर देना चाहिए। इसके अलावा भारतीय खुदरा व्यापारियों ने भी इस मामले में सरकार से अमेजन के खिलाफ जांच शुरू करने की मांग की है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के प्रवीण खंडेलवाल ने बताया, अमेजन से छोटे मैन्युफैक्चरर्स को काफी नुकसान हो रहा है।

वो उस कमाई का हिस्सा खा रहे हैं, जो उनके लिए नहीं बना रहा है। CAIT का दावा है कि वह 8 करोड़ व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करती है। अमेजन ने इस रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

निर्मला सीतारमण ने अमेरिकी वित्त मंत्री संग की बैठक, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद से निपटने पर हुई चर्चा

वाशिंगटन :

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी अमेरिकी समकक्ष जेनेट येलेन के साथ बृहस्पतिवार को अवैध आर्थिक गतिविधियों, धन शोधन से निपटने और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। 'भारत-अमेरिका आर्थिक एवं वित्तीय साझेदारी' (ईएफपी) की 8वें दौर की बातचीत के दौरान दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत हुई। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया कि सीतारमण और येलेन ने अवैध आर्थिक गतिविधियों, धन शोधन से निपटने और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने के मुद्दों पर जोर दिया। दोनों देशों ने इस बैठक के बाद एक संयुक्त बयान भी जारी किया। बयान में कहा गया, ''हम अधिक जानकारी साझा करने और समन्वय के माध्यम से धन शोधन से निपटने और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने में अपने सहयोग को मजबूत करना जारी रखेंगे। दोनों पक्ष वित्तीय अपराधों से निपटने के महत्व पर और हमारी वित्तीय प्रणालियों को दुरुपयोग से बचाने के लिए 'वित्तीय कार्रवाई कार्य बल' मानकों के प्रभावी कार्यान्वयन पर सहमत हैं।''

ये भी थे बैठक में शामिल

कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रकोप के बाद 'भारत-अमेरिका आर्थिक एवं वित्तीय साझेदारी' (ईएफपी) की पहली बैठक में दोनों देश सीमा पार धन के लेनदेन, भुगतान प्रणाली और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र के विकास जैसे उभरते वित्तीय क्षेत्रों पर आगे भी भागीदारी करने को सहमति हुए। सीतारमण और येलेन के अलावा बैठक में 'फेडरल रिजर्व सिस्टम' के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी शामिल हुए।

आजीविका पर पड़े प्रभाव को भी किया रेखांकित

सीतारमण और येलेन ने वैश्विक आर्थिक मुद्दों को हल करने के लिए द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरह से संबंध जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने कोविड-19 संकट के जीवन और आजीविका पर पड़े प्रभाव को भी रेखांकित किया। बयान में कहा गया, ''हम सहायक नीतियों को तब तक कायम रखने पर सहमत हुए जब तक कि मजबूत एवं समावेशी सुधार मजबूती से स्थापित नहीं हो जाते।''

दिसंबर के अंत तक रुपया 74 प्रति डॉलर तक पहुंचने की संभावना

मुंबई: विदेशी बाजारों में डॉलर के कमजोर होने तथा घरेलू शेयर बाजार में भारी लिवाली होने के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे की तेजी के साथ 75.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी पूंजी के ताजा निवेश के कारण लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में रुपए में तेजी आई। उन्होंने कहा कि हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने रुपए के लाभ को सीमित कर दिया। ब्लूमबर्ग के एक सर्वेक्षण के अनुसार, दिसंबर के अंत तक रुपया 74 प्रति डॉलर होने का अनुमान है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 75.27 रुपए पर मजबूत खुला। कारोबार के दौरान यह 75.20 से 75.37 रुपए के दायरे में रहा और अंत में पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की तेजी के साथ 75.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बुधवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 75.37 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 प्रतिशत घटकर 93.81 रह गया। वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड का दाम 1.30 प्रतिशत बढ़कर 84.26 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

सितंबर में निर्यात 23प्रतिशत बढ़ा, कारोबारी घाटा बढ़कर रिकॉर्ड 22.06 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली :

प्रमुख क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से भारत का वस्तु निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 22.63 प्रतिशत बढ़कर 33.79 अरब डॉलर हो गया। हालांकि इस दौरान देश का व्यापार घाटा भी बढ़कर 22.59 अरब डॉलर पहुंच गया। आधिकारिक आंकड़े के अनुसार सितंबर में वस्तु आयात 56.39 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 84.77 प्रतिशत अधिक है। आंकड़ों के अनुसार सितंबर में व्यापार घाटा बढ़कर 22.59 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल के इसी महीने में 2.96 अरब डॉलर था। इसकी वजह सोने और तेल के आयात में उछाल है। सितंबर में सोने का आयात पिछले साल की समान अवधि के 60.1 करोड़ डॉलर से बढ़कर 5.11 अरब डॉलर हो गया। तेल का आयात सितंबर 2020 में 5.83 अरब डॉलर की तुलना में सितंबर 2021 में 17.44 अरब डॉलर रहा। वहीं अप्रैल-सितंबर 2021 के दौरान, आयात पिछले साल की समान अवधि के 32.01 अरब डॉलर के मुकाबले 72.99 अरब डॉलर रहा।

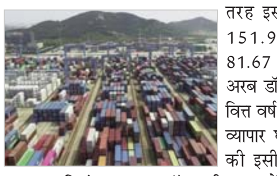

सितंबर 2021 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज करने वाले निर्यात क्षेत्रों में कॉफी, काजू, पेट्रोलियम उत्पाद, हथकरघा, इंजीनियरिंग, रसायन, मानव निर्मित धागे / कपड़े, रत्न एवं आभूषण, प्लास्टिक और समुद्री उत्पाद शामिल थे। अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान निर्यात 125.62 अरब डॉलर था जो अप्रैल-सितंबर 2021 में 57.53 प्रतिशत बढ़कर 197.89 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में आयात 151.94 अरब डॉलर से 81.67 प्रतिशत बढ़कर 276 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीने में व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 26.31 अरब डॉलर की तुलना में बढ़कर 78.13 अरब डॉलर रहा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के उपाध्यक्ष खालिद खान ने कहा कि अगर यह रुख रहा तो भारत का निर्यात चालू वित्त वर्ष के अंत तक 400 अरब डॉलर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा, ''लेकिन हमें व्यापार घाटा को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।''

एयर इंडिया बिकने के बाद कर्मचारियों पर संकट

बिजनेस डेस्क :

एयर इंडिया की नीलामी के बाद उसके कर्मचारियों पर संकट के बादल मंडराने शुरु हो गए हैं। कंपनी के कर्मचारियों को क्वाटर छोड़ने का नोटिस दिया गया है। इससे कर्मचारी यूनियन नाराज हैं और हड़ताल की धमकी दे ड़ाली है।

कर्मचारियों को जारी एक नोटिस में कहा गया है कि एयर इंडिया और टाटा ग्रुप के बीच हुए विनिवेश सौदे की आखिरी तारीख के छह महीने के भीतर कर्मचारी मुंबई के कलिना स्थित आवास को छोड़ दें। इस नोटिस के मिलने के बाद से ही एयर इंडिया कर्मचारियों में खलबली मच गई है।

2 नवंबर से अनिश्चितकाल के लिए हड़ताल की चेतावनी

एयर इंडिया यूनियनों की ज्वॉइंट एक्शन कमेटी ने बुधवार को मुंबई के क्षेत्रीय लेबर कमीश्नर को नोटिस जारी किया। जिसमें कहा गया है कि इस फैसले के खिलाफ कर्मचारी 2 नवंबर से अनिश्चितकाल के लिए हड़ताल पर जा सकते हैं। नियमों के मुताबिक, एक यूनियन को हड़ताल पर जाने से पहले दो हफ्तों का नोटिस देना होता है। हड़ताल के नोटिस के साथ दिए खत में कहा गया है कि कंपनी की कॉलोनियों में रहने वाले एयर इंडिया के कर्मचारियों को 5 अक्टूबर को एक खत मिला है, जिसमें उनसे 20 अक्टूबर 2021 तक एक अंडरटेकिंग देने को कहा गया, कि वे एयरलाइन के निजीकरण के छह महीनों के अंदर घर खाली कर देंगे। एयर इंडिया की मुंबई के कलीना और दिल्ली के पॉश इलाके वसंत विहार में कॉलोनी है। इस मामले में यूनियन का कहना है कि दिल्ली और मुंबई में स्थिति पर यूनियनें रोजाना चर्चा कर रही हैं और वे मिलकर हड़ताल पर फैसला लेंगी।

सर्रकुलर को वापस लेने को कहा

यूनियन लेटर में कहा गया है कि ऐसा पता चला है कि जिस जमीन पर कॉलोनियां स्थित हैं, उसे एयर इंडिया को एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) ने लीज पर दिया था। एएआई मालिक है और मुंबई इंटरनेशल एयरपोर्ट लिमिटेड केवल एक किरायेदार है।

इस खत में आगे कहा गया है कि इसके पीछे कोई कारण नहीं है कि एयर इंडिया कॉलोनियों को इतनी जल्दी में खाली कर दे और जमीन को अडानी ग्रुप को सौंप दे। एयरपोर्ट की जमीन पर कई झुग्गियां हैं, जिन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया है।

महाराष्ट्र सरकार जमीन के रिकॉर्ड्स की संरक्षक है और ट्रांसफर के लिए उनकी इजाजत जरूरी है।

PNB हाउसिंग ने कार्लाइल ग्रुप के साथ 4,000 करोड़ की डील की रद्द, जानिए क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली :

कानूनी अड़चनों के बीच पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने अमेरिका की निजी इक्विटी कंपनी कार्लाइल ग्रुप और अन्य के लिए प्रस्तावित 4,000 करोड़ रुपए की शेयर बिक्री योजना को रद्द कर दिया है। यह सौदा मूल्यांकन के मामले को लेकर कानूनी पचड़ों में फंस गया था। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने पिछले महीने कंपनी की 4,000 करोड़ रुपए की इक्विटी पूंजी जुटाने की योजना से जुड़े मामले में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने सेबी को दी गई नियामकीय सूचना में कहा कि आज हुई एक बैठक में निदेशक मंडल ने तरजीही मुद्दे पर आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया और प्रस्तावित आवंटियों के साथ कार्यान्वित शेयर सदस्यता समझौते को उनकी संबंधित शर्तों के अनुसार समाप्त कर दिया गया है। सूचना में कहा गया कि निदेशक मंडल का प्राथमिक उद्देश्य कंपनी की वृद्धि में मदद करने के लिए पूंजी जुटाना है और उसका मानना है कि मौजूदा स्थिति कंपनी और उसके हितधारकों के सही हित में नहीं है। प्रस्तावित सौदे के तहत, कार्लाइल की अनुषंगी प्लूटो इन्वेस्टमेंट्स एस.ए.आर.एल. और सैलिसबरी इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में एक इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करना था। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में सरकार के स्वामित्व वाले पंजाब नेशनल बैंक की 32 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। सैलिसबरी एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है और मुख्य रूप से वित्तीय प्रतिभूतियों में निवेश का कारोबार करती है।

गूगल ने मोबाइल पर सर्च में निरंतर स्क्रॉलिंग की शुरुआत की

सैन फ्रांसिस्को।

यूएस-आधारित सर्च इंजन दिग्गज कंपनी गूगल ने घोषणा की है कि वह पेज-आधारित यूजर इंटरफेस को सेवानिवृत्त करते हुए अपने मोबाइल प्लेटफॉर्म पर सर्च में लगातार स्क्रॉल कर रहा है। यह नया खोज अनुभव यू.एस. में मोबाइल पर अधिकांश अंग्रेजी खोजों के लिए धीरे-धीरे शुरू हो रहा है। कंपनी ने एक बयान में कहा, जबकि आप पहले कुछ परिणामों में अक्सर वही पा सकते हैं जो आप खोज रहे हैं, कभी-कभी आप खोजते रहना चाहते हैं। वास्तव में, अधिकतर लोग जो अतिरिक्त जानकारी चाहते हैं, वे खोज परिणामों के अधिकतम चार पृष्ठ ब्राउज करते हैं। इस अपडेट के साथ, लोग अब इसे मूल रूप से कर सकते हैं, और देखें बटन पर क्लिक करने से पहले कई अलग-अलग परिणामों के माध्यम से ब्राउज करते हैं। अब, परिणामों के एक सेट के नीचे, खोज इंजन स्वचालित रूप से अगले पृष्ठ को लोड करेगा, जिससे उपयोगकर्ता लगातार स्क्रॉल कर सकेंगे जब तक कि वे उस विशेष वेबसाइट

को नहीं ढूंढ लेते जिसे वे ढूंढ रहे हैं। इस बीच, गूगल ने इस सप्ताह की शुरुआत में सरकारों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, उद्यमों और छोटे व्यवसायों की सुरक्षा और डिजिटल परिवर्तन का समर्थन करने के लिए एक प्रमुख साइबर सुरक्षा एक्शन टीम के गठन की घोषणा की, क्योंकि राष्ट्र-राज्य हैकिंग की घटनाएं बढ़ती हैं।

गूगल साइबर सुरक्षा एक्शन टीम ने पहले से ही एक सुरक्षा और लचीलापन ढांचा तैयार किया है जो एक व्यापक सुरक्षा प्रबंधन कार्यक्रम के लिए एक रोडमैप प्रदान करता है।

टी-20 विश्व कप 2021: भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले पाकिस्तान को लगा तगड़ा झटका, हाई परफॉर्मेंस कोचिंग प्रमुख ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले तगड़ा झटका लगा है। टीम के हाई परफॉर्मेंस कोचिंग प्रमुख और न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्रांट ब्रैडबर्न ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह तीन साल से पीसीबी से जुड़े हुए थे। न्यूजीलैंड के पूर्व टेस्ट स्पिनर सितंबर 2018 से जून 2020 के बीच पाकिस्तानी टीम के फील्डिंग कोच भी थे। इसके बाद उन्होंने कोचिंग के विकास की जिम्मेदारी संभाली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। ब्रैंडबर्न ने कहा, 'पाकिस्तान क्रिकेट के साथ काम करना गर्व की बात रही। मैं सुनहरी यादों और शानदार अनुभव के साथ विदा ले रहा हूं।'

रमीज राजा के पीसीबी प्रमुख बनने के बाद से पद छोड़ने वाले ब्रैंडबर्न पांचवें आला अधिकारी हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के मुख्य कोच मिसबाह उल हक, गेंदबाजी कोच वकार युनूस, सीईओ वसीम खान और मार्केटिंग प्रमुख बाबर हमीद पद छोड़ चुके हैं। ब्रैडबर्न ने कहा कि कोरोना प्रोटोकॉल के चलते वह परिवार के साथ समय नहीं बिता पा रहे थे।

रविवार से शुरू होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भाग लेने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) रवाना हो गई। इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को अपना पहला मुकाबला 24 अक्टूबर को भारत के खिलाफ खेलना है। पाकिस्तान की टीम वर्ल्ड कप के किसी भी फॉर्मेट में अबतक एक बार भी भारत को नहीं हरा पाई है। लेकिन पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को यकीन है कि उनकी टीम इस बार इस मिथक को तोड़ेगी। भारत ने 2007 में पाकिस्तान को ही फाइनल में हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी।

विश्व कप क्वालीफायर: ब्राजील ने उरूग्वे को और अर्जेंटीना ने पेरू को हराया

साओ पाउलो।(एजेंसी)।

ब्राजील ने दक्षिण अमेरिकी विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर मैच में उरूग्वे को 4-1से हरा दिया जबकि दूसरे स्थान पर काबिज अर्जेंटीना ने पेरू को मात दी। शीर्ष पर काबिज ब्राजील के लिये नेमान और रापिन्हा ने गोल दागे। अर्जेंटीना के लिए लियोनेल मेस्सी फॉर्म में नहीं थे लेकिन उनकी टीम ने 1-0 से मुकाबला जीत लिया। ब्राजील के अब 31 अंक है। नवंबर में यहां कोलंबिया के खिलाफ मुकाबला जीतकर ब्राजील कतर में अगले साल होने वाले विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर लेगा।

वहीं, अर्जेंटीना के 11 मैचों में 25 अंक हैं। दोनों टीमों के बीच सितंबर में मैच कोरोना प्रोटोकॉल के उल्लंघन के कारण सात मिनट बाद रोक दिया गया था। फीफा ने अभी उस मैच के भविष्य के बारे में फैसला नहीं किया है। अन्य मैचों में इक्वाडोर ने कोलंबिया से गोलरहित ड्रॉ खेला और अब वह 17 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। कोलंबिया 16 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। शीर्ष चार टीमें विश्व कप में सीधे जगह बना लेंगी। पांचवें स्थान की टीम अंतर महाद्वीपीय प्लेआफ के जरिये पहुंच सकती है। चिली ने वेनेजुएला को 3 . 0 से हराया और अब वह छठे स्थान पर है। बोलिवियाने पराग्वे को 4-0 से मात दी। बोलिविया सातवें और पराग्वे आठवें स्थान पर है।

टी20 विश्व कप की कप्तानी पर बोले मोहम्मद नबी, कठिन काम है लेकिन अपनी ओर से पूरी कोशिश करूंगा

दुबई। कुछ रोज पहले ही अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बनाये गए मोहम्मद नबी ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप में टीम की कप्तानी कठिन है लेकिन वह अपनी टीम को आगे तक ले जाने की पूरी कोशिश करेंगे। नबी को दस अक्टूबर को अफगानिस्तान टीम का कप्तान बनाया गया चूंकि स्टार हरफनमौला राशिद खान ने यह कहकर कप्तान बनने से इनकार कर दिया कि टीम चुनने से पहले उनकी राय नहीं ली गईथी। 36 वर्ष के नबी 2013 से 2015 के बीच भी टीम के कप्तान रह चुके हैं।

उन्होंने रविवार से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप से पहले मीडिया से कांफ्रेंस कॉल में कहा ,'' कप्तानी काफी कठिन जिम्मेदारी है। मैं अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा कि टीम टूर्नामेंट में अच्छा खेले। कप्तान के तौर पर खेलने को लेकर काफी रोमांचित हूं।'' अफगानिस्तान टीम को पहला मैच 25 अक्टूबर को पहले दौर की क्वालीफायर टीम से खेलना है। उसे ग्रुप दो में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और एक क्वालीफायर के साथ रखा गया है। तालिबान के अफगानिस्तान में सत्तारूढ होने के बावजूद टीम ने विश्व कप में जगह बनाई है। अमेरिकी सेनाओं के पीछे हटने के बाद अफगानिस्तान में काफी रक्तपात और हिंसा हुई। नबी ने इस मसले पर बोलने से इनकार कर दिया और सिर्फ वीजा दिक्कतों का जिक्र किया।

उन्होंने कहा ,'' टीम पिछले डेढ महीने से तैयारी कर रही है। वीजा मामले में कुछ दिक्कतें आई जिसकी वजह से खिलाड़ी यूएई जल्दी नहीं आ सके। वे कतर में अभ्यास कर रहे थें '' जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर और इंग्लैंड के कोच रहे एंडी फ्लावर अफगानिस्तान के बल्लेबाजी सलाहकार होंगे जबकि दक्षिण अफ्रीका के लांसक्लूसनर मुख्य कोच और आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज शॉन टैट गेंदबाजी कोच होंगे।

भारतीय हॉकी टीम कांस्य पदक मुकाबले से पहले काफी प्रेरित थी: सिमरनजीत

बेंगलुरु (एजेंसी)।

भारतीय हॉकी टीम के मिडफील्डर सिमरनजीत सिंह ने कहा है कि जर्मनी के खिलाफ टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक मुकाबले से पहले टीम काफी प्रेरित थी।

सिमरनजीत ने भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी और महत्वपूर्ण पल में दो गोल किए थे। हालांकि, वह सेमीफाइनल में शामिल नहीं थे लेकिन कांस्य पदक मुकाबले में खेले। सिमरनजीत ने कहा, मैच से पहले हम इस बात से अवगत थे कि यह हमारा देश के लिए पदक जीतने का आखिरी मौका है। सीनियर खिलाड़ियों ने कहा कि पिछले दो साल के संघर्ष का फल पाने के लिए हमारे पास आखिरी मौका है। इस स्पीच ने हमें बूस्ट दिया। मैच से पहले हमारा मनोबल बढ़ा।

सीनियर टीम में अपने बड़े ब्रेक के बारे में बात करते हुए, सिमरनजीत ने सीनियर्स को उनका मार्गदर्शन करने और उपयोगी टिप्स साझा करने का श्रेय दिया, जिनका वह आज भी पालन करते हैं। सिमरनजीत ने कहा, सरदार सिंह उसी पॉजिशन में खेलते थे जिसमें में खेलता हूं। वह ऐसे हैं जिन्हें मैं हमेशा देखता था और उनकी सलाह सुनता था। वह हमेशा मुझसे कहते थे कि मैं हर मौके का फायदा लूं और कोशिश करूं कि यह बर्बाद नहीं हो।

बावुमा के चोट से उबरने पर अफ्रीका हुई और मजबूत

दुबई।(एजेंसी)।

आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा के चोट से उबरने पर टीम को मजबूती मिलेगी। हाल ही में हुए श्रीलंका के दौरे पर उनके अंगुठे में चोट लग लई थी।

बावुमा ने आईसीसी क्रिकेट डॉट कॉम से कहा, मेरे चोट में सुधार हो रहा है। अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं। शुक्रवार को मैने चोट के बाद पहली बार नेट्स में अभ्यास किया। मैं उत्साहित हूं कि मैंने अब धीरे-धीरे बल्लेबाजी करने की शुरुआत कर दी है और मैं अपने खेल में सुधार भी कर रहा हूं। बावुमा का एकादश में पुनः प्रवेश दक्षिण अफ्रीका के लिए एक नया चयन सिरदर्द बन सकता है। बावुमा की गैरमौजूदगी में रीजा हेंड्रिक्स शीर्ष क्रम पर क्विंटन डी कॉक के साथ बल्लेबाजी कर रहे थे और एडेन मारक्रम नंबर-3 पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। बावुमा के सलामी बल्लेबाज के रूप में वापसी करने की संभावना है, प्रोटियाज को एक कठिन निर्णय लेना होगा क्योंकि हेंड्रिक्स और मारक्रम को एक स्थान से नीचे स्थानांतरित करना है या उनमें से एक को बाहर करना है।

हमने अपना सबकुछ दिया लेकिन कुछ कमी रह गई : धवन

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भावुक पोस्ट डाल शुक्रवार को कहा कि उन्होंने और उनकी टीम ने मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दिया लेकिन आईपीएल 2021 के फाइनल में पहुंचने के लिए कुछ कमी रह गई। दिल्ली की टीम ग्रुप चरण में अंक तालिका में शीर्ष पर थी, लेकिन क्वालीफायर-2 में उसे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई। धवन ने कहा, दिल्ली के लिए यह अच्छा सीजन रहा। हमने अपना सबकुछ दिया लेकिन दुर्भाग्य से कुछ कमी रह गई। मैंने हर पल का आनंद लिया और मैं अगले सीजन के लिए तैयार हूं। इस बीच, धवन के साथी खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्त्जे ने कहा है कि उन्हें आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीत पाने का दुख है लेकिन दिल्ली ने इस सीजन जो हासिल किया उस पर उन्हें गर्व है।

आईपीएल 2021फाइनल के बाद ओमान के लिए रवाना होंगे शाकिब. टी-20 विश्वकप के लिए जुड़ेगे बांग्लादेश टीम में

दुबई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन आज यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ आईपीएल फाइनल खेलने के बाद आज ओमान के लिए रवाना हो जाएंगे, जहां वह आईसीसी टी-20 विश्व कप के क्वालीफाई चरण के लिए बंगलादेश टीम के साथ जुड़ेंगे। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक अधिकारी ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की है। इससे पहले बीसीबी ने जोर देकर कहा था कि वह दूसरे क्वालीफायर मुकाबले के बाद शाकिब के आईपीएल फाइनल में भाग लेने के बारे में अंतिम फैसला करेगा। बीसीबी के क्रिकेट संचालन अधिकारी ने एक बयान में कहा, 'योजना यह है कि आईपीएल फाइनल के तुरंत बाद शाकिब बंगलादेश टीम में शामिल हो जाएंगे, क्योंकि 17 अक्टूबर को स्कॉटलैंड के खिलाफ हमारा महत्वपूर्ण क्वालीफाइंग मैच है।'

बढ़ सकती हैं न्यूजीलैंड टीम की मुश्किलें ? केन विलियमसन को ग्रिप बनाने में हो रही दिक्कत, बोले- हैमस्ट्रिंग की चोट मामूली है

दुबई।(एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टी20 विश्व कप के अपने से पहले अपनी फिटनेस से जुड़ी चिंताओं को खास तवज्जो न देते हुए कहा कि उनकी जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग की चोट) मामूली है लेकिन कोहनी की हल्की चोट से उन्हें ग्रिप बनाने में परेशानी हो रही है। टी20 विश्व कप 17 अक्टूबर से शुरू होगा लेकिन न्यूजीलैंड अपना पहला मैच 26 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने एक दिन पहले कहा था कि वह विलियमसन के पूरी तरह फिट होने को लेकर आश्वस्त हैं और कीवी कप्तान ने भी यही बात दोहरायी।

विलियमसन ने संवाददाताओं से कहा, ''यह मामूली चोट है, मैं अच्छा हूं। प्रगति अच्छी है। किसी तरह की चिंता नहीं है।'' उन्होंने हालांकि स्वीकार किया कि कोहनी की चोट की प्रगति धीमी है जिसके कारण वह पिछले कुछ समय से परेशान हैं। विलियमसन ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, ''इसकी प्रगति थोड़ी धीमी रही। लंबे समय तक यह काफी निराशाजनक रहा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के बाद हालांकि पिछले दो महीनों में इसमें निश्चित रूप से थोड़ा सुधार हुआ है। लेकिन इससे मुझे ग्रिप बनाने में थोड़ी परेशानी हो रही है।''

अपनी टीम की तैयारियों के बारे में विलियमसन ने कहा कि पूर्व तेज गेंदबाज शेन बांड का सहयोगी स्टाफ में होना बहुत अच्छा है। मुंबई इंडियन्स के गेंदबाजी कोच बांड को विशेष तौर पर स्पिनरों की मदद करने के लिये कीवी टीम से जोड़ा गया है। विलियमसन ने कहा, ''उनके (बांड) पास अपार अनुभव है और विशेषकर मुंबई इंडियन्स के साथ रहने के कारण उन्हें यहां (यूएई) का अच्छा अनुभव है और उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी जाती है वह उसे अच्छी तरह से निभाते हैं।''

उन्होंने कहा, ''वह हमारे गेंदबाजी कोच की हर संभव मदद करेंगे और उनका टीम के साथ होना काफी अच्छा है।'' पहली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाला न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की प्रतियोगिताओं में छुपे रुस्तम के रूप में उतरता है लेकिन विलियमसन के लिये यह मायने नहीं रखता। उन्होंने कहा, ''मेरे कहने का मतलब है कि हर टीम पर इस तरह के लेबल लगाये जाते हैं, इसलिए यह अच्छा है। हर टीम में मैच विजेता हैं और कोई भी किसी को हरा सकता है इसलिए निस्संदेह यह दर्शकों के लिये रोमांचक होगा।

टेनिस: हुरकाज को हराकर इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे दिमित्रोव

इंडियन वेल्स। बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने यहां जारी परिबास ओपन के क्वार्टर फाइनल में पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दिमित्रोव ने हुरकाज से पहले सेट में पिछड़ने के बावजूद हरा दिया। इससे पहले उन्होंने शीर्ष सीड रूस के डेनिल मेदवेदव को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। 23वीं सीड दिमित्रोव, हुरकाज को दो घंटे 40 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-4, 7-6(2) से हराकर अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में पहुंचे। इस जीत के साथ ही दिमित्रोव ने 1000 मास्टर्स में अपनी 100वीं जीत दर्ज की। क्वार्टर फाइनल के पहले सेट में हुरकाज से पिछड़ने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में दो ब्रेक प्वांइट अर्जित किए। इस जीत के बाद 23वीं सीड ने हुरकाज के खिलाफ एटीपी हेड टू हेड सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। अब सेमीफाइनल में दिमित्रोव का मुकाबला ब्रिटेन के कैमरुन नॉरी से शनिवार को होगा।

टी20 विश्व कप से पहले मुरलीधरन की स्पिनर्स को नसीहत, बोले- इसमें रक्षण ही आक्रमण है

दुबई।(एजेंसी)।

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में रक्षण ही स्पिनरों के लिये सर्वश्रेष्ठ आक्रमण है और जितनी धीमी गेंद होगी, बल्लेबाजों को अपने शॉट खेलने में उतनी ही दिक्कत आयेगी। टेस्ट (800) और वनडे (534) में सर्वाधिक विकेटों का रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले मुरलीधरन का मानना है कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाज टेस्ट या 50 ओवरों के क्रिकेट की तरह हमेशा विकेट नहीं ले सकतें उन्होंने आईसीसी के लिये अपने कॉलम में लिखा ,'' टी20 में रक्षण ही आक्रमण है। आपको छह या 6.5 रन प्रति ओवर का लक्ष्य रखना चाहिये। अगर वह हो गया तो विकेट भी मिल जायेंगे।'' उन्होंने कहा ,' टी20 क्रिकेट में बतौर खिलाड़ी या कोच या मेंटर मेरा अनुभव यही है कि आपको रक्षात्मक मानसिकता के साथ उतरना चाहिये। वहीं टेस्ट या वनडे में लक्ष्य विकेट लेने का होता है।'' उन्होंने कहा ,'शुरू में लोगों को लगता था कि टी20 क्रिकेट में स्पिनरों की धुनाई होगी लेकिन अब स्पष्ट है कि गेंद जितनी धीमी होगी, उसे मारना उतना ही कठिन होगा। स्पिनर सबसे महत्वपूर्ण गेंदबाज हो गए हैं और तेज गेंदबाज भी धीमी गेंदें डाल रहे है क्योंकि हर कोई गेंद को बल्ले पर सीधे देने से बचना चाहता है।' श्रीलंका के बारे में उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले कुछ साल में देश में क्रिकेट का स्तर गिरा है। टी20 विश्व कप 2014 की विजेता श्रीलंकाई टीम को इस बार प्रारंभिक दौर के मुकाबले खेलने पड़ रहे हैं। मुरलीधरन ने कहा ,'श्रीलंकाई टीम को पहले दौर में क्वालीफायर खेलने होंगे।पिछले पांच छह साल में टीम का स्तर इतना गिरा है कि पहली बार क्वालीफायर खेलने पड़ रहे हैं। लेकिन यह टीम अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। मेरी सलाह यही है कि विरोधी टीमों और खिलाड़ियों के रसूख से खौफजदा हुए बिना अच्छा खेल दिखाये। टी 20 क्रिकेट की यही खूबी है।

अफगानिस्तान से कतर पहुंचीं 100 महिला खिलाड़ी, तालिबान राज में सता रही थी सुरक्षा की चिंता

दोहा। कतर की सरकार दावा किया कि अफगानिस्तान से महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के एक दल को गुरुवार को एक विमान के जरिए दोहा लाया गया। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही थी। कतर के विदेश मंत्री लोलवाह अल खातर ने ट्वीट किया, 'करीब 100 फुटबॉल खिलाड़ी, महिला खिलाड़ी और उनके परिजन विमान में सवार हुए।' खिलाड़ियों की निकासी के लिए कतर ने फीफा के साथ मिलकर काम किया। इससे पहले, अंतरराष्ट्रीय संघ फीफाप्रो ने अगस्त में अफगानिस्तान की राष्ट्रीय महिला टीम की खिलाड़ियों की निकासी में भी मदद की थी।

उमरा थाने के पीआई-पीएसआई का तबादला, दो कांस्टेबल सस्पेंड

सूरत।

यूनिवर्सिटी में गरबा रुकवाने गई पुलिस के साथ हुआ एबीवीपी का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। छात्र संगठन ने लगातार चौथे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रखा। हालांकि चौथे दिन एबीवीपी के सामने सरकार को झुकना पड़ा। पुलिस कमिश्नर अजय तोमर ने उमरा थाने के पीआई, पीएसआई का तबादला कर दिया गया। इसके अलवा दो कांस्टेबलों को सस्पेंड कर दिया गया। इससे पहले एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार सुबह से ही शहरभर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। वेसू, उधना, भटार, रांदेर में यूनिवर्सिटी और अलग-अलग कॉलेजों के बाहर सड़क जाम की। दिनभर प्रदर्शन चलता रहा। पुलिसकर्मियों को भी नहीं जाने दिया। रादेर में पुलिस ने एबीवीपी के शहर मंत्री की जमकर पिटाई की। एबीवीपी के छात्र संगठन ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी के साथ डीआरबी कॉलेज, एचडी जैन कॉलेज, उधना सिटिजन कॉलेज, नवयुग कॉलेज, पीटी साइंस कॉलेज, एमटीबी कॉलेज, एसआरके कॉलेज और वीटी चौकसी कॉलेज सहित १० कॉलेज बंद करवा दिए। गेट बंद करके छात्रों को बाहर ही रोक दिया गया। कई घंटे तक कॉलेज और यूनिवर्सिटी बंद रहे। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी गेट से लेकर अणुव्रत द्वार तक सड़क जाम की। इसी तरह उधना, रांदेर और अन्य कई जगह चक्का जाम किया। सड़क को बैरिकेड कर कार्यकर्ता वहीं बैठ गए। उन्होंने लोगों को आने-जाने से रोका। कई घंटे तक बीआरटीएस की बस खड़ी रही। यात्रियों को दूसरे वाहन से या पैदल जाना पड़ा। पुलिसकर्मियों को भी रोककर उनके खिलाफ नारेबाजी की। गनीमत रही कि उन्होंने एंबुलेंस और महिलाओं को आने-जाने दिया। प्रदर्शन के दौरान उमरा पुलिस नहीं आई। पुलिस कमिश्नर अजय तोमर ने गुरुवार को उमरा थाने के इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर का ट्रांसफर कर दिया, जबकि दो कांस्टेबलों को सस्पेंड कर दिया। तोमर ने बताया कि पुलिस इंस्पेक्टर केआई मोदी को स्पेशल ब्रांच में ट्रांसफर कर दिया गया है। पीएसआई बीएस परमार का तबादला कंट्रोल रूम में कर दिया गया है। इसके अलवा कांस्टेबल धर्मेंद्र गोस्वामी को और ईश्वरदान गढवी को सस्पेंड कर दिया गया है। इन दोनों की गलती यह थी कि उन्होंने घटना स्थल पर खड़े होकर विवाद बढ़ाने की कोशिश की। रांदेर में नवयुग कॉलेज के बाहर एबीवीपी के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। रांदेर थाने से पीसीआर वैन आई और पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश की, लेकिन एबीवीपी के शहर मंत्री हितेश गिलतर के कुछ कहने पर विवाद हो गया। उसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें सड़क पर जमकर पीटा। पुलिस उन्हें थाने उठा ले गई। हितेश ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें पीटा और उनके कपड़े फाड़ दिए। हितेश थाने के अंदर ही धरने पर बैठ गए। एबीवीपी के प्रदेश संगठन मंत्री हिमालय सिंह झाला ने पहले कहा कि पुलिस ने शहर मंत्री को पीटा नहीं, सिर्फ डिटेन किया था।

गुजरात में कांग्रेस के निष्क्रिय नेता होंगे पार्टी से बाहर

अहमदाबाद।

कांग्रेस आलाकमान गुजरात के पार्टी संगठन में बड़े आपरेशन की तैयारी कर रहा है। लंबे समय से बड़े पदों पर जमे निष्क्रिय नेताओं को बाहर कर युवाओं को अग्रिम पंक्ति में लाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अर्जुन मोढवाडिया, नारण राठवा, हार्दिक पटेल आदि के नामों की चर्चा है। नेता विपक्ष के रूप में शैलेष परमार, वीरजी ठुमर के नाम आगे हैं। गुजरात कांग्रेस प्रभारी पद पर राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा की नियुक्ति के बाद पार्टी आलाकमान जल्द ही प्रदेश अध्यक्ष व नेता विपक्ष के पदों पर भी फैसला करेगा। स्थानीय निकाय व पंचायत चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा व विधानसभा में नेता विपक्ष परेश धनाणी ने अपने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। गुजरात में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित पूरी सरकार का चेहरा बदले जाने के बाद संभावना यह भी जताई जा रही है कि गुजरात में समय से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। कांग्रेस की समस्या यह भी है कि वह कई साल से पार्टी में जमे निष्क्रिय नेताओं को दूर किए बिना संगठन में ऊर्जा भी भरना चाहती है और जीतना भी। वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल गुजरात विधानसभा की सभी १८२ सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस की चुनौती कम नहीं है। हाल ही संपन्न गांधीनगर महानगरपालिका के चुनाव परिणाम पर नजर दौड़ाएं तो आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस के लिए बड़ी मुसीबत बनकर उभरी है। सूरत के बाद गांधीनगर में भी कांग्रेस की हार के लिए सीधे तौर पर आप की मौजूदगी को जिम्मेदार माना सकता। कांग्रेस पाटीदार समुदाय को जोड़ने का प्रयास कर रही है, लेकिन पिछले चुनाव परिणाम देखें तो वह इसमें सफल होती नजर नहीं आ रही है। नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए पाटीदार नेता हार्दिक पटेल को भी दावेदार माना जा रहा है, लेकिन प्रदेश के वरिष्ठ नेता हार्दिक के बजाय किसी वरिष्ठ नेता को ही पसंद करेंगे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया व पूर्व केंद्रीय मंत्री नारण राठवा का नाम हाल सबसे आगे है।

राम छावनी मंदिर में विजयदशमी के उपलक्ष में अखंड रामचरितमानस का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत।

डिंडोली राम छावनी मंदिर में विजयदशमी के उपलक्ष में अखंड रामचरितमानस का आयोजन किया गया। जिसमें राम भक्तों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर राम छावनी मंदिर के संस्थापक अशोक महापात्रा और अनूप पांडे ने बताया कि हम लोगों द्वारा हर साल विजयदशमी के अवसर पर रामचरित मानस का अखंड पाठ किया जाता है। अशोक महापात्र ने बताया कि मंदिर के पुजारी लालजीभाई तिवारी के द्वारा मंदिर का रखरखाव पूजा पाठ किया जाता है।

इस अवसर पर उड़ीसा समाज के अग्रणी विदेशी भाई साहू, संजय मिश्रा (संपादक सूरत भूमि), प्रदीप श्रीवास्तव उर्फ राजू लाला, ओम प्रकाश दुबे, बाबा तिवारी, संजय पाठक, गुलाब यादव तमाम भक्तगण उपस्थित थे।

रक्षक ग्रुप द्वारा डिंडोली डिंडोली स्थित वृद्धा आश्रम फाफड़ा और जलेबी बाँटकर विजयदशमी मनाई गई

सूरत भूमि, सूरत। रक्षक ग्रुप द्वारा विजयदशमी के अवसर पर डिंडोली स्थित लोक कल्याण वृद्धा आश्रम एवं चैरिटेबल ट्रस्ट ओल्ड एज होम में रक्षक ग्रुप के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं द्वारा फाफड़ा और जलेबी बाँट कर उन लोगों के साथ विजयदशमी (दशहरा) मनाया गया। जिसमें शुभेच्छुक के तौर पर मोनाबेन, रीतुबेन, अमीबेन देसाई, हेमाक्षीबेन वाना, योग गरबा क्रिएटर अनीष भाई रंगरेज एवं रक्षक ग्रुप के ट्रस्टी मंडल तथा रक्षक ग्रुप की टीम उपस्थित थी।

'सबका साथ, सबका विकास' का सामर्थ्य गुजरात से सीखा : मोदी

अहमदाबाद।

गुजरात के सूरत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज द्वारा निर्मित छात्रावास फेज-१ (लड़कों के छात्रावास) का भूमि पूजन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रोफेशनल कोर्सेस की पढ़ाई स्थानीय भाषा में कराए जाने का विकल्प भी दिया गया है। अब पढ़ाई का मतलब डिग्री तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पढ़ाई को स्किल के साथ जोड़ा जा रहा है। देश अपने पारंपरिक स्किल्स को भी अब आधुनिक संभावनाओं से जोड़ रहा है। कोरोना के कठिन समय के बाद हमारी अर्थव्यवस्था ने जितनी तेजी से वापसी की है, उससे पूरा विश्व भारत को लेकर आशा से भरा हुआ है। अभी हाल में एक विश्व संस्था ने भी कहा है कि भारत फिर दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। ये हम सभी के लिए बहुत गौरव की बात है कि भूपेंद्र भाई, एक ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो टेक्नोलॉजी के भी जानकार हैं और जमीन से भी उतना ही जुड़े हुए हैं। अलग-अलग स्तर पर काम करने का उनका अनुभव, गुजरात के विकास में बहुत काम आने वाला है। जीवन में शिक्षा का काफी महत्व है तथा हमारे महापुरुषों ने शिक्षा के माध्यम से ही देश को महान राष्ट्र बनाया। हम सब भारत के बेटे हैं और हमें आपसी सहयोग से देश का निर्माण करना होगा। सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज सूरत के छात्रावास के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरदार साहब ने कहा भी था- "जाति और पंथ को हमें रुकावट नहीं बनने देना है। हम सभी भारत के बेटे और बेटियां हैं। हम सभी को अपने देश से प्रेम करना चाहिए, परस्पर स्नेह और सहयोग से अपना भाग्य बनाना चाहिए"। भारत इस समय अपनी आजादी के ७५वें वर्ष में है। ये अमृतकाल हमें नए संकल्पों के साथ ही, उन व्यक्तित्वों को याद करने की भी प्रेरणा देता है, जिन्होंने जनचेतना जागृत करने में बड़ी भूमिका निभाई। आज की पीढ़ी को उनके बारे में जानना बहुत आवश्यक है। इस स्थान को इसलिए विकसित किया गया था ताकि शिक्षा का प्रसार किया जा सके, गांव के विकास से जुड़े कामों में तेजी लाई जा सके। जो लोग गुजरात के बारे में कम जानते हैं, उन्हें मैं आज वल्लभ विद्यानगर के बारे में भी बताना चाहता हूं। आप में से काफी लोगों को पता होगा, ये स्थान, करमसद-बाकरोल और आणंद के बीच में पड़ता है।

'सबका साथ, सबका विकास' का सामर्थ्य क्या होता है ये भी मैंने गुजरात से ही सीखा है। एक समय गुजरात में अच्छे स्कूलों की कमी थी, अच्छी शिक्षा के लिए शिक्षकों की कमी थी। उमिया माता का आशीर्वाद लेकर, खोड़ल धाम के दर्शन करके मैंने इस समस्या के समाधान के लिए लोगों को अपने साथ जोड़ा। हां गुजरात शिक्षा व उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य के रूप में काम कर रहा है। गुजरात के युवा देश में ही नही विदेशों में भी भारत का नाम रोशन कर रहे हैं।पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा शिक्षा के क्षेत्र में इस पहल से सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज युवाओं को एक नई दिशा देगा और उनके सपनों को पूरा करने में मदद करेगा। मुझे बताया गया है कि दोनों चरणों का छात्रावास निर्माण २०२४ तक पूरा हो जाएगा। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि एक समय था जब गुजरात में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शिक्षकों की कमी थी विभिन्न कारणों से लड़कियां पढ़ाई छोड़ रहीं थी इनमें से एक स्कूलों में लड़कियां के लिए शौचालय की कमी भी थी। लेकिन अब इस सुविधा के मिलने के बाद लड़कियों की ड्रॉपआउट दर में गिरावट आई है। इस छात्रावास में १५०० छात्रों के रहने की सुविधा होगी, साथ ही एक सभागार और पुस्तकालय भी इसमें बनाया जाएगा। दूसरे चरण में अगले साल यहां ५०० छात्राओं के रहने के लिए भी एक छात्रावास बनाया जाएगा। इस खास कार्यक्रम के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित हैं। सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज १९८३ में स्थापित एक पंजीकृत ट्रस्ट है जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों का शैक्षिक और सामाजिक परिवर्तन है। यह ट्रस्ट छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने में मदद करने के साथ-साथ उन्हें उद्यमिता और कौशल विकास के लिए एक मंच भी प्रदान करता है।

मांडवी में रास-गरबा की जगह चल रहा था जुआ

भुज।

पश्चिम कच्छ के दरिया किनारे के मांडवी शहर में बीती रात पुलिस ने भाजपा नगरसेविका सहित ८ महिलाओं को ५१ हजार रुए नगद के साथ जुआं खेलते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। नवरात्रि में रास गरबा के बदले जुआं खेलते उच्च वर्ग की महिलाओं की गिरफ्तारी होने के बाद जिलेभर यह में चर्चा का विषय बना हुआ है। मांडवी शहर पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बाबावाडी विस्तार के सुमतीनाथ कॉम्पलेक्स के तीसरी मंजिल पर स्थित मकान में शाम ८ बजे के बाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की, जहां गंजीपाना ५२ पत्तों के साथ तीन पत्ती का जुआं खेल रही हंसाबेन दिलीप ठक्कर, नगरसेविका क्रिष्णाबेन तरूण टोपराणी, प्रभाबेन सुंदरजी सलाट, मंजूलाबेन नारण वेकरिया, भारतीबेन भारत सलाट, वसुबा, रतनसिंह जड़ेजा, रामतभाई आदम केचा और हर्षिदाबेन संजय खत्री सहित महिलाओं को गिरफ्तार कर स्थल से ५१ हजार नगद और ६१ हजार रुपए के ५ मोबाइल जब्त किए गए है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में गिरफ्तार क्रिष्णाबेन टोपराणी भाजपा शासित नगरपालिका की चुनी हुई नगरसेविका है, फिलहाल पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। एक साथ उच्च वर्ग की ८ महिलाओं की गिरफ्तारी के बाद शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सूरत के आकाश इंस्टीट्यूट के छात्र श्रेयांश जैन ने जेईई एडवांस 2021 में शानदार एआईआर 192 हासिल किया

सूरत। सूरत में आकाश इंस्टीट्यूट के छात्र श्रेयांश जैन ने प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस 2021 के परिणाम में प्रभावशाली एआईआर 192 हासिल करके संस्थान को गौरवान्वित किया है, जो कियह उनके माता-पिता और संस्थान के पूरे स्टाफ केलिए उत्साहजनक है। नतीजे आज नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वाराघोषित किएगए। उन्होंने दुनिया की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षा माने जाने वाले ढ्ढढ्ढझ् छ्वश्वश्व को क्रैक करने के लिए दो साल के क्लासरूम प्रोग्राम में आकाश इंस्टीट्यूट में दाखिला लिया। उन्होंने जेईई में टॉप पर्सेंटाइल की कुलीन सूची में अपने प्रवेश का श्रेय अवधारणाओं को समझने के उनके प्रयासों और उनके सीखने के कार्यक्रम के सख्त पालन को दिया। "मैं आभारी हूं कि आकाश इंस्टीट्यूट ने दोनों में मेरी मदद की है। लेकिन संस्थान से सामग्री और कोचिंग के बिना, मैं कम समय में विभिन्न विषयों में कई अवधारणाओं को नहीं समझ पाता, "उन्होंने कहा। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के मैनेजिंगडायरेक्टर, श्री आकाश चौधरी ने श्रेयांश को बधाई देते हुए कहा, "हम श्रेयांश को उनके अनुकरणीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं। देश भर से कुल 1,41,699 छात्र जेईई एडवांस 2021 के लिए उपस्थित हुए, जिनमें से 41,862 ने क्वालीफाई किया है। उनकी उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ उनके माता-पिता के समर्थन को भी दर्शाती है। हम उनके भविष्य के प्रयासों के साथ उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।" उन्होंने कहा कि महामारी से प्रभावित शैक्षणिक वर्षों के दौरान, आकाश इंस्टीट्यूट ने छात्रों को जेईई में टॉप पर्सेंटाइल स्कोरकरने के लिए कठिन परिश्रम किया। च्व्हमने अपने छात्रों के लिए हमेशा उपलब्ध रहने के लिए अपनी डिजिटल उपस्थिति को आगे बढ़ाया। हमने अध्ययन सामग्री और प्रश्न

बैंकों को ऑनलाइन उपलब्ध कराया। हमने परीक्षा की तैयारी और समय प्रबंधन कौशल पर कई आभासी प्रेरक सत्र और सेमिनार आयोजित किए। यह देखकर खुशी हो रही है कि हमारे प्रयास रंग ला रहे हैं, जैसा कि हमारे छात्रों की स्कोर शीट से स्पष्ट है, जिनमें से कई अपनी पसंद के उच्च अध्ययन के लिए शीर्ष IIT या NIT या केंद्र सरकार के इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने की राह पर हैं।

दुनिया में पहली बार, एसएलसीएम ने लांच किया खाद्यान्न की गुणवत्ता परखने वाला 'मेड इन इंडिया' क्वालिटी चैक ऐप

सूरत। ऐग्री लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी सोहन लाल कमॉडिटी मैनेजमेंट प्रा. लि. (एसएलसीएम) ने 2021 के शारदीय नवरात्र के अवसर पर अपने प्रॉपराइटरी ऐग्रीरीच अम्ब्रैला के अंतर्गत कृषि कमॉडिटी हेतु क्वालिटी चैक मोबाइल ऐप्लीकेशन के बीटा वर्शन के आधिकारिक लांच की घोषणा की है। अब यह ऐप प्रयोक्ताओं के फीडबैक और रिव्यू के लिए उपलब्ध है।

प्रारंभ में इस पर गेहूं की गुणवत्ता जांची जा सकेगी, जो की भारत के अधिकांश हिस्सों में लोगों का प्रमुख खाद्यान्न है। बाद में इस ऐप की क्षमताएं बढ़ाई जाएंगी और फिर अन्य प्रमुख अनाज व दालों जैसे चना, मक्का, चावल, ग्वार, मूंग और तूअर आदिकी जांच हेतु इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा।

''ऐग्रीरीच मोबाइल क्वालिटी चैकअप'' खाद्यान्न के क्षेत्र में यह दुनिया में पहला ऐप है जिसकी मदद से प्रयोक्ता मिनटों में कमॉडिटी का मौके पर ही मूल्यांकन प्राप्त कर सकता है, इसके लिए उसे छलनी, तराजू आदि की जरूरत नहीं पड़ती या लैब टैस्टिंग के लिए नहीं ले जाना पड़ता।

इस अवसर पर एसएलसीएम ग्रुप के सीईओ संदीप सभरवाल ने कहा, ''इस अभूतपूर्व ऐग्रीरीच मोबाइल क्वालिटी चैक ऐप को आधिकारिक रूप से लांच करने की मुझे बेहद प्रसन्नता है। यह ऐप इस उद्योग क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों जैसे प्रसंस्करण करने वालों, व्यापारियों, निर्यातकों, आयातकों, सरकारी एजेंसियों और वित्तीय संस्थानों (जैसे बैंक) के लिए हर प्रकार से उपयोगी है, खासकर 2021 के इस त्यौहारी मौसम में इसका महत्व और भी बढ़ गया है। अपनी किस्म का यह पहला समाधान, हमारी इन-हाउस विशेषज्ञ टीम के 4 वर्षों के गहन अनुसंधान का परिणाम है। इस ऐप के जरिए पूरे सैंपल की

क्वालिटी सिर्फ उसकी एक तस्वीर से मालूम की जा सकती है। इस ऐप को प्रस्तुत किया जाना हमारी उस प्रतिबद्धता का हिस्सा जिसके अंतर्गत हम अपने ग्राहकों को सॉफ्टवेयर-ऐज़-अ-सर्विस (SaaS) मॉडल में ऐम्बेडेड ऐग्रीटैक सॉल्यूशन मुहैया कराना चाहते हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)